RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

पेज 07

मुझको राणाजी माफ करना के नए वर्जन में दिखीं माहिरा शर्मा

VOL: 03 | ISSUE 185 | TUESDAY DATE 28-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष पद से हटाने की तैयारी में भाजपा, संसद में लाएगी प्रस्ताव

विदेश यात्राओं के संबंध में उनकी जवाबदेही तय हो

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई**

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) फिर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साध रही है। झारखंड (गोड्डा) से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया है कि पार्टी बहुत जल्द राहुल गांधी को विपक्ष के नेता के पद से हटाने के लिए संसद में प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। सांसद दुबे का

कहना है कि 2004 से 2026 के बीच राहुल गांधी की विदेश यात्राओं के संबंध में उनकी जवाबदेही तय होना जरुरी है, क्योंकि इन दौरों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है।

बीजेपी सांसद दुबे ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी जब भी विदेश जाते हैं, तब देश, निर्वाचित सरकार और संविधान के खिलाफ बयानबाजी करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी के विदेश दौरों के दौरान होने वाली मुलाकातों, गतिविधियों और आंदोलनों को बढ़ावा देने के लिए कथित फंडिंग की चर्चा को रहस्यमय बताया। बीजेपी सांसद दुबे ने दावा किया कि राहुल गांधी की यात्राओं में अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस से जुड़े लोग शामिल थे। उन्होंने 2008 में कांग्रेस और चीन के बीच हुए कथित समझौते का मुद्दा भी उठाया, जिसकी जानकारी आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। भाजपा के गोड़ा से सांसद ने मांग की है कि 2004 से 2026 तक की राहुल गांधी की सभी विदेश यात्राओं, उनके संपर्कों और तमाम कथित गुप्त समझौतों की निष्पक्ष जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करे। उन्होंने राहुल गांधी पर विदेशी ताकतों के हाथों में खेलने और देश को बांटने की साजिशों में शामिल होने के गंभीर आरोप लगाए। बीजेपी सांसद दुबे का मानना है कि विपक्ष के नेता को विदेश में भारत की नीतियों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए, न कि देश की छवि बिगाड़नी चाहिए। निशिकांत दुबे का यह बयान तब आया है, जब राहुल गांधी स्वयं संसद में सरकार से तीखे सवाल पूछ रहे हैं। हाल ही में छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई और लाठीचार्ज के मुद्दे पर राहुल गांधी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से जवाब मांगा था...

संक्षिप्त खबरें

नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर किया मानहानि केस

मुंबई, यूटर्न/ 27 जुलाई । केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया है। फिलहाल, हाईकोर्ट ने गडकरी की याचिका को मंजूर किया है और अंतरिम राहत की मांग पर सुनवाई तय की है। यह मामला एआई से बने कथित डीपफेक वीडियो और सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट से जुड़ा है, जिनमें नितिन गडकरी और उनके परिवार को ई20 एथेनॉल पॉलिसी से जोड़ा गया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने याचिका में विवादित सामग्री के प्रसार पर रोक लगाने की मांग की है। नितिन गडकरी ने इस मामले में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) और एक्स को प्रतिवादी बनाया है। याचिका के अनुसार, सोशल मीडिया पर कई पोस्ट और वीडियो में दावा किया गया है कि गडकरी और उनके परिवार के सदस्यों को केंद्र सरकार की एथेनॉल पॉलिसी से आर्थिक लाभ हुआ है।

श्रीराम मंदिर चढ़ावा मामला : सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी से दो हफ्ते में मांगी स्टेटस रिपोर्ट

दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई । अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे की कथित चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) से दो सप्ताह के भीतर स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। अब इस मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मामले की जांच पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए।

त्यागराज स्टेडियम में सजा कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस का महाकुंभ

दिल्ली में जुटे 25 देशों के खिलाड़ी, रेखा गुप्ता ने किया उद्घाटन

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई ।**

राजधानी के त्यागराज स्टेडियम में सोमवार को 22वीं कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 का भव्य उद्घाटन हुआ। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए विभिन्न देशों से आए खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत किया। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 27 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित की जाएगी।

उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता की आधिकारिक ट्रॉफी का अनावरण किया और औपचारिक शुरूआत की घोषणा की। इसके बाद खिलाड़ियों ने खेल भावना, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और अनुशासन की शपथ ली।

मुख्यमंत्री ने टेबल टेनिस रैकेट से प्रतीकात्मक 'सेरेमोनियल फर्स्ट स्ट्रोक' खेलकर प्रतियोगिता का आगाज किया। इस अवसर पर दिल्ली के शिक्षा एवं खेल मंत्री आशीष सूद, कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस फेडरेशन के अध्यक्ष विवेक कोहली, टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया की अध्यक्ष मेघना अहलावत सहित विभिन्न देशों के

प्रतिनिधि और खिलाड़ी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और 'वंदे मातरम्' की प्रस्तुति के साथ हुई। इसके बाद 'परेड ऑफ नेशंस' का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागी देशों के खिलाड़ियों ने अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वज के साथ मार्च किया। समारोह में विद्यार्थियों और कलाकारों ने भारतीय संस्कृति पर आधारित 'कलर ऑफ इंडिया', 'शिव तांडव' और सितार-सिम्फनी जुगलबंदी जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें खिलाड़ियों और अतिथियों ने सराहा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि विभिन्न देशों और संस्कृतियों को जोड़ने का सशक्त मंच हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में अनुशासन, समर्पण, उत्कृष्टता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से बड़ी संख्या में प्रतियोगिता देखने और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील भी की। शिक्षा एवं खेल मंत्री आशीष सूद ने कहा कि यह प्रतियोगिता खेल के साथ-साथ विभिन्न देशों के बीच मित्रता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी मजबूत करेगी।

प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई नहीं रुकी तो दोबारा प्रदर्शन पर बैठेंगे : सीजेपी

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई । कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने असम, बिहार, पश्चिम बंगाल और दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों में प्रदर्शनकारियों तथा छात्र कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि यदि सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के अपने आश्वासन का पालन नहीं किया तो पार्टी दोबारा आंदोलन करने को मजबूर होगी। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में केन्द्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को संबोधित बयान में आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं करने संबंधी सहमति का खुला उल्लंघन हो रहा है। श्री रांका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हम देख रहे हैं कि बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है।

सौ साल बाद भी प्रासंगिक है गांधी का सत्याग्रह : वांगचुक

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई । पर्यावरण कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने सोमवार को कहा कि एक बार

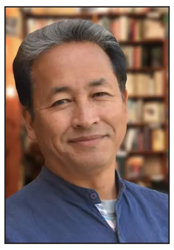

फिर यह साबित हो गया है राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अहिंसा और शांति का रास्ता 100 साल बाद भी प्रासंगिक है तथा आने वाले हजारों साल तक रहेगा। श्री वांगचुक ने सोमवार को यहां राजघाट पर गांधीजी को श्रद्धांजलि देने के बाद संवाददाताओं से कहा, 'मैं सबसे पहले बापू को याद करने राजघाट आना और देश को बताना चाहता था कि उनका बताया गया रास्ता आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना 100 साल पहले था। लोग कहते हैं कि ऐसे शासन के साथ ये तरीके नहीं चलते हैं।

ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर देशव्यापी अभियान चलायेगी आप : केजरीवाल

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई । आम आदमी पार्टी (आप) ने ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर देशव्यापी अभियान तेज करने का ऐलान किया है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी की ओर से एक अगस्त को यहाँ कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में 'नेशनल टाउनहॉल अगेंस्ट ई-20' का आयोजन किया जायेगा जिसमें देशभर से लोग प्रत्यक्ष और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से जुड़ सकेंगे। कार्यक्रम में ई-20 के मुद्दे में रुचि रखने वाले विशेषज्ञों, वाहन मालिकों और इससे प्रभावित लोगों को अपनी बात रखने का अवसर दिया जायेगा। इसके साथ ही ई-20 पेट्रोल के मुद्दे पर आगे की रणनीति पर भी चर्चा की जायेगी।

संत गुरु रविदास जी के 650वें प्रकट उत्सव के अवसर पर देशव्यापी ह्यसमरसता संकल्प अभियान' चलाएगी भाजपा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई ।**

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ और दुष्यंत कुमार गौतम ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित किया और संत गुरु रविदास जी के 650वें प्रकट उत्सव के उपलक्ष्य में 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक देशव्यापी ह्यसंत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज समरसता संकल्प अभियान' चलाने की घोषणा की। दुष्यंत कुमार गौतम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संत गुरु रविदास जी से जुड़े स्थलों के विकास और उनके सम्मान के लिए की गई पहलों का भी उल्लेख किया। तरुण चुघ ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य संत गुरु रविदास जी के समरसता, सामाजिक समानता और जनजागरण के संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाना है। दुष्यंत कुमार गौतम ने कहा कि आज की यह प्रेस वार्ता संत गुरु रविदास जी के 650वें प्रकट उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित की गई है.

युवाओं को मानवता और निस्वार्थ सेवा से जुड़ना चाहिए : नायब सिंह सैनी

» **चंडीगढ़, यूटर्न/ 27 जुलाई ।**

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि संतों और आध्यात्मिक गुरुओं का जीवन समाज के लिए प्रेरणा का एक सदाबहार स्रोत है। उन्होंने कहा, 'उनके आदर्श मानवता, निस्वार्थ सेवा, सामाजिक सद्भाव और राष्ट्र-निर्माण को बढ़ावा देते हैं। युवा पीढ़ी को इन मूल्यों से जोड़ना बहुत जरूरी है ताकि समाज में सद्भाव, नैतिक आचरण और सांस्कृतिक मूल्यों की भावना और मजबूत हो सके।' मुख्यमंत्री जींद जिले के उझाना गांव में श्री श्री 1008 सिद्ध बाबा खाक नाथ-जी महाराज के नवनिर्मित

समाधि स्थल पर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित कर रहे थे। रोहतक में मठ अस्थल बोहर के प्रमुख महंत बालक नाथ भी इस समारोह में शामिल हुए। निवासियों की मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने उझाना में एक सामुदायिक केंद्र के निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपए और गांव में अन्य विकास कार्यों के लिए 51 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने यह भी घोषणा की कि ग्रामीणों की मांगों के अनुसार सड़क निर्माण, गांव के तालाब का जीर्णोद्धार, जल निकासी का स्थायी समाधान और गांव के स्कूल में विज्ञान संकाय (साइंस स्ट्रीम) शुरू करने का काम किया जाएगा।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

जन कल्याण मंच कुरुक्षेत्र (रजि०) हरियाणा ने सेक्टर-4 में कपड़े के थैले वितरित कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

» **अश्विनी वालिया**

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 27 जुलाई । जन कल्याण मंच कुरुक्षेत्र (रजि०) हरियाणा द्वारा सेक्टर-4 स्थित भाजपा के बूथ नंबर 145 पर पॉलिथीन मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कपड़े के थैलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को पॉलिथीन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए कपड़े के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक डॉ. ऋषिपाल मथाना मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने जन कल्याण मंच कुरुक्षेत्र (रजि०) हरियाणा द्वारा समाज हित एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जा रहे जनजागरण अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि मंच लगातार जनसेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि पॉलिथीन का बढ़ता उपयोग पर्यावरण, पशु-पक्षियों तथा मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। ऐसे में कपड़े के थैलों का वितरण एक सराहनीय एवं अनुकरणीय पहल है, जिससे समाज में सकारात्मक जागरूकता पैदा होगी।

जन कल्याण मंच के अध्यक्ष दलबीर मलिक ने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह पॉलिथीन का प्रयोग बंद कर पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाए। यदि समाज मिलकर इस दिशा में प्रयास करेगा तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।इस अवसर पर मंच के महासचिव बलदेव सिंह सैनी ,उपाध्यक्ष रामपाल सरोहा, कोषाध्यक्ष धर्म सिंह जोगना खेड़ा, प्रवक्ता गुलशन ग्रोवर, सचिव कुलदीप सैनी, ऑडिटर के. सी .वर्मा,शिव किरमच,रामपाल डाबर, संजय शर्मा ने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे दैनिक जीवन में कपड़े के थैलों का ही उपयोग करें तथा दूसरों को भी पॉलिथीन छोड़ने के लिए प्रेरित करें। मंच ने भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और जनकल्याण से जुड़े ऐसे जागरूकता अभियान निरंतर चलाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं, गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया और पॉलिथीन मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

कलाधाम हादसे पर जांच में सामने आई ठेकेदार, सुपरवाइजर और अधिकारियों की लापरवाही, विभागीय कार्रवाई की संस्तुति

» **ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 27 जुलाई ।**

नॉलेज पार्क-2 स्थित कलाधाम सोसायटी में छह वर्षीय मासूम की पानी से भरे नलकूप के गड्ढे में डूबने से हुई दर्दनाक मौत के मामले में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। घटना को गंभीरता से लेते हुए प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एन.जी. रवि कुमार ने लापरवाही के दोषी पाए गए अधिकारियों के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं।

जांच रिपोर्ट के आधार पर जल विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक और सहायक प्रबंधक को तत्काल प्रभाव से उनके सभी दायित्वों से मुक्त कर ग्रेटर नोएडा वेस्ट कार्यालय से संबद्ध कर दिया गया है। साथ ही संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई और निलंबन की संस्तुति शासन को भेज दी गई है। प्राधिकरण के अनुसार, घटना के तुरंत बाद सीईओ के निर्देश पर ओएसडी अभिषेक पाठक और महाप्रबंधक (परियोजना) ए.के. सिंह की संयुक्त टीम गठित कर पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई गई।

जांच रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से सामने आया कि ठेकेदार और साइट पर तैनात सुपरवाइजर व तकनीकी सुपरवाइजर के साथ-साथ प्राधिकरण के कुछ अधिकारियों ने भी अपने दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही बरती। इसी आधार पर यह सख्त कार्रवाई की गई है। एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्राधिकरण पहले ही संबंधित ठेकेदार, सुपरवाइजर और तकनीकी सुपरवाइजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा चुका है। अब विभागीय जांच में अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध पाए जाने के बाद सहायक प्रबंधक मनोज कुमार, प्रबंधक गरिमा सिंह और वरिष्ठ प्रबंधक विनोद कुमार शर्मा को सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है।

मानसून सत्र की रणनीति तय करेगा एनडीए

संसद में ह्यमंगल मिलन' संसदीय दल की होगी बैठक

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई ।**

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की बैठक ह्यमंगल मिलन' 28 जुलाई को संसद पुस्तकालय भवन (पीएलबी) के जी.एम.सी. बालयोगी ऑडिटोरियम में होगी। भारतीय जनता पार्टी के ऑफिस से लोकसभा और राज्यसभा के सभी एनडीए सदस्यों को भेजे गए एक नोट में कहा गया, 'लोकसभा और राज्यसभा के सभी माननीय एनडीए सदस्यों से अनुरोध है कि वे इस कार्यक्रम में शामिल होने का समय निकालें और तय समय पर कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहें।' संसद में भाजपा के कार्यालय सचिव ने बताया कि यह बैठक मंगलवार सुबह 9.30 बजे शुरू होगी। एनडीए सदस्यों की यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है, जब केंद्र सरकार नकल-रोधी कानून को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है और विपक्ष जंतर-मंतर पर विरोध कर रहे छात्रों के साथ कथित ह्यपुलिस बर्बरता' के मुद्दे पर सरकार को घेरने में जुटा है। ह्यमंगल मिलन' बैठक असल में एनडीए संसदीय दल की साप्ताहिक रणनीति बैठक का ही नया रूप है, जिसे रचनात्मक बहस और गठबंधन में बेहतर तालमेल को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया जाता है। संसद सत्र के दौरान रोजाना सदन के कामकाज प्रबंधन और अलग-अलग दलों के बीच आम सहमति बनाने के अलावा, ह्यमंगल मिलन' बैठक एनडीए के सहयोगी दलों के साथ तालमेल बढ़ाने का भी एक जरिया है।

यह बैठक एनडीए सांसदों की बहस में भागीदारी और मुख्य सहयोगी दलों, जिनमें शिवसेना, एलजेपी, टीडीपी, जेडीयू और अन्य क्षेत्रीय दल शामिल हैं, के बीच बोलने की भूमिकाओं के बंटवारे को बढ़ावा देती है।

केंद्र सरकार संसद के मानसून सत्र के दौरान पांच नए बिल पेश करने की योजना बना रही है, जिनमें इनकम टैक्स और एमएसएमई सुधार, सुप्रीम कोर्ट के जजों की संख्या में बढ़ोतरी और जन्म पंजीकरण कानूनों में बदलाव से जुड़े प्रस्ताव शामिल हैं।

20 जुलाई से शुरू हुए 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र के दौरान जिन नए कानूनों पर चर्चा होनी है, उनमें सरकार द्वारा इनकम-टैक्स (संशोधन) बिल, 2026 और सुप्रीम कोर्ट (जजों की संख्या) संशोधन बिल, 2026 पेश किए जाने की उम्मीद है। सरकार जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) बिल, 2026; राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) बिल, 2026; और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) बिल, 2026 भी पेश करेगी।

एटीएस प्रिस्टीन सोसायटी में 19 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या की, जांच में जुटी पुलिस

» **ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 27 जुलाई ।**

ग्रेटर नोएडा थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र स्थित एटीएस प्रिस्टीन सोसायटी में सोमवार को एक 19 वर्षीय युवती द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना डायल-112 के माध्यम से पुलिस को मिली, जिसके बाद थाना नॉलेज पार्क पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, एटीएस प्रिस्टीन सोसायटी के एक फ्लैट में एक महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मृतका की पहचान सोनम पुत्री रामपाल सिंह, उम्र करीब 19 वर्ष, निवासी ग्राम बासखेड़ा, थाना अटरिया, जिला सीतापुर के रूप में की। जांच में सामने आया कि सोनम पिछले करीब एक वर्ष से उक्त फ्लैट में घरेलू सहायिका (मेड) के रूप में काम कर रही थी। वह फ्लैट मालिक प्रशांत सिंह और उनकी पत्नी के साथ सर्वेंट रूम में रह रही थी। पुलिस के मुताबिक, रात के समय किसी वक्त सोनम ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद फ्लैट में मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा मृतका के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मृतका के परिजन भी मौके पर मौजूद हैं और उन्हें घटना की जानकारी दे दी गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है। टीम द्वारा मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और घटनास्थल का वैज्ञानिक तरीके से निरीक्षण किया जा रहा है।

इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में रात-दिन बिजली कटौती से परेशान, आठ घंटे रही गुल

साहिबाबाद, यूटर्न/ 27 जुलाई । टीएचए के विभिन्न इलाकों में लगातार हो रही बिजली कटौती से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में रात-दिन में करीब आठ घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। राजेंद्र नगर, साहिबाबाद, सहित अन्य क्षेत्रों में लगभग पांच घंटे तक बिजली नहीं रही। लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है। इंद्रप्रस्थ निवासी एस रावत ने बताया कि पुरानी कहावत कॉलोनी की बिजली व्यवस्था पर ठीक बैठ रही है कि चार दिन की चांदनी फिर अंधेरी रात दो दिन से कॉलोनी में बिजली की ज्यादा समस्या नहीं थी, लेकिन शनिवार देर रात करीब 11 बजे फिर से कॉलोनी में बिजली कटौती शुरू हो गई और करीब दो बजे तक लोगों को बिजली आने के इंतजार करना पड़ा। वहीं रविवार को भी सुबह करीब छह बजे से नौ बजे तक बिजली कटौती हुई।

रामपुर प्रशासन ने जान बूझकर जौहर विश्वविद्यालय के खिलाफ जारी किया अनुचित आदेश : शाकिर अली उस्मानी

» **सुनील बाजपेई**

कानपुर, यूटर्न/ 27 जुलाई । उत्तर प्रदेश का आदर्श लोकदल समाजवादी पार्टी की सरकार में कद्दावर पूर्व मंत्री रहे आजम खान के मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्व विद्यालय के साथ ही दिल्ली दंगे के आरोपित 6 साल से जेल में बंद शरजिल इमाम व उमर खालिद के पक्ष में मैदान में आ गया है।

आदर्श लोकल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष समाज सेवी शाकिर अली अली उस्मानी ने इसके लिए यहां के जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भी भेजा है।

राष्ट्रपति को भेजे गए इस ज्ञापन में हर जाति, हर धर्म और हर वर्ग के मतदाताओं में चुनाव जीतने की हद तक मजबूत पकड़ रखने के साथ ही हर किसी के सुख-दुख में सदैव खड़े होने वाले, जन समस्याओं के खिलाफ शुरू से ही अग्रणी जुझारू तेवरों वाले तेजतर्रार और व्यवहार कुशल आदर्श लोक दल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शाकिर अली उस्मानी ने जौहर विश्वविद्यालय के 38 कमरों को डिमोलिस नहीं किये जाने के साथ ही जेल में बंद दिल्ली दंगे के आरोपी शरजिल इमाम व उमर खालिद को तत्काल रिहा किये जाने, दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा को दिल्ली दंगे का साजिशकर्ता और मुख्य आरोपी बताते हुए उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने, पूरे देश में गौहत्या पर और बीफ के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने ,मस्जिद, मजार, मदरसे व मकबरों को सरकारी जमीन बताकर उस पर चलाए जा रहे बुलडोजर को रोकने, चारागाहों व तालाबों को अवैध कब्ज से मुक्त कराकर पशुओं के चरने व पीने के लिए पानी की व्यवस्था किए जाने ,जाति व धर्म के आधार पर पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई पर तत्काल अंकुश लगाने आदि की भी मांग की है।

आदर्श लोक दल के यूपी अध्यक्ष शाकिर अली उस्मानी ने राष्ट्रपति को जिलाधिकारी के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में आगे यह भी कहा है कि उत्तर प्रदेश के सभी इण्टर व डिग्री कालेज व विश्वविद्यालय नक्शे के अनुरूप नहीं बने हैं।

थॉयराइड जांच कराने के नाम पर गर्भवती से 600 रुपये मांगने का आरोप, वीडियो वायरल

लोनी, यूटर्न/ 27 जुलाई । पूर्वी मुस्तफाबाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सात माह की गर्भवती महिला से जांच के नाम पर 600 रुपये मांगने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो के अनुसार स्वास्थ्य केंद्र पर बैठी महिला डॉक्टर ने टी3, टी4 समेत अन्य जांच करने के नाम पर रुपये मांगे। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अधिकारियों ने मामले में जांच के निर्देश दिए हैं। हालांकि संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती। वायरल वीडियो में एक महिला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में कुर्सी पर बैठी महिला डॉक्टर, गर्भवती महिला व उसके साथ आई अन्य महिलाओं से बात करती दिख रही है। महिला डॉक्टर गर्भवती महिला से कितने माह का गर्भ और कौन सा बच्चा होने जैसा सवाल करती है। जवाब मिलने के बाद महिला डॉक्टर ने गर्भवती से कुछ स्वास्थ्य जांच होने की बात कही। इसमें करीब 600 रुपये का खर्च भी बताया। यहां तक कि सभी जांच उन्हीं के पास कराने को कहा। अर्बन सीएचसी के नोडल अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि पीएचसी पर थॉयराइड की जांच नहीं होती है। किसी मरीज से रुपये मांगे गए हैं तो मामले की जांच कर कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्राथमिक केंद्र पर लोगों के लिए कंट्रोल रूम के नंबर अंकित कराए गए हैं। लोग प्राथमिक केंद्र पर होने वाली समस्या के बारे में उन नंबर पर शिकायत कर सकते हैं।

भारत विकास परिषद् विवेकानंद शाखा बरवाला की शाखा कार्यशाला में संगठन विस्तार और सेवा कार्यों पर हुआ मंथन

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 27 जुलाई । भारत विकास परिषद् हरियाणा पश्चिम प्रांत की विवेकानंद शाखा, बरवाला द्वारा वर्ष 2026-27 की शाखा कार्यशाला का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगीत के साथ हुआ। इसके पश्चात शाखा सदस्यों का परिचय, पंजीकरण तथा संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यशाला के मुख्य सत्र में जिला समन्वयक ऋषिराज बुडाकिया एवं जिला सह समन्वयक कमल बंसल ने शाखा की वर्तमान गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना एवं कार्यशाला के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। क्षेत्रीय संगठन सचिव जियालाल बंसल ने परिषद् की विचारधारा, संगठनात्मक रीति-नीति तथा कार्यकर्ताओं के सामान्य शिष्टाचार पर प्रेरक मार्गदर्शन दिया।

प्रांतीय महासचिव रामनिवास वर्मा ने महिला सहभागिता एवं संगठन विस्तार, प्रांतीय वित्त सचिव गौरव गुप्ता ने सेवा गतिविधियों एवं वित्तीय प्रबंधन, प्रांतीय पर्यावरण संयोजक माणिक मित्तल ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों तथा प्रांतीय संस्कार संयोजक हुकमचंद गोयल ने भारतीय संस्कारों के संरक्षण और सामाजिक जीवन में उनकी आवश्यकता पर विस्तार से विचार रखे।

कार्यक्रम का संचालन शाखा सचिव कुमारी आशा चुघ ने किया। शाखा अध्यक्ष सुरेन्द्र सोनी एवं शाखा सचिव कुमारी आशा चुघ ने कहा कि कार्यशाला में प्राप्त मार्गदर्शन शाखा की आगामी सेवा, संस्कार, संपर्क एवं संगठनात्मक गतिविधियों को अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं जनहितकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यशाला में कोषाध्यक्ष देवराज असिजा, महिला सहभागिता संयोजिका मंजू सरदाना, पूर्व अध्यक्ष वीरभान मिड्डा, राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त विकास रत्न महेंद्र सेतिया, डॉ. सुंदर लाल चावला, संपर्क गतिविधि संयोजक राजेश सलूजा, संस्कार गतिविधि संयोजिका सुनीता मनचंदा, प्रेस सचिव ओमप्रकाश मनचंदा , मास्टर केवल कृष्ण, मास्टर सुदर्शन खुराना, हर्षा पठनेजा, सुनीता पठनेजा, नवीन आहूजा, रामरति, नीलम सलूजा, श्याम सुंदर, राजेन्द्र मौर्य, महेन्द्र तथा शाखा के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मोबाइल स्नैचिंग के कुछ घंटों के भीतर आरोपी गिरफ्तार, चोरी की स्कूटी और तीन मोबाइल बरामद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई । पूर्वी दिल्ली के मधु विहार थाना पुलिस ने मोबाइल स्नैचिंग की घटना के कुछ ही घंटों के भीतर एक सक्रिय स्नैचर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक छीना गया मोबाइल फोन, चोरी की होंडा एक्टिवा स्कूटी और दो अन्य चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए हैं। आरोपी की गिरफ्तारी से कुल चार आपराधिक मामलों का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान उपेंद्र उर्फ पीयूष (22) निवासी वेस्ट विनोद नगर, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वह नशे का आदी है और अपनी लत पूरी करने के लिए संपत्ति संबंधी अपराधों को अंजाम देता था। पुलिस के मुताबिक 25 जुलाई को मधु विहार थाने में पीसीआर कॉल के जरिए मोबाइल स्नैचिंग की सूचना मिली। शिकायतकर्ता आयुष दास ने बताया कि दोपहर करीब 12 बजे वह गाजीपुर की ओर जा रहे थे। आईपी एक्सटेंशन स्थित उत्सव ग्राउंड के पास डीसीपी कट पर पहुंचने पर नीली होंडा एक्टिवा पर सवार दो युवकों ने उन्हें निशाना बनाया। आरोप है कि पीछे बैठे युवक ने उनका नीले रंग का वीवो मोबाइल फोन छीन लिया और दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। शिकायत के आधार पर मधु विहार थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों की गतिविधियों के बारे में गुप्त सूचना मिली। इसके आधार पर उसी दिन रात करीब 9:20 बजे आईपी एक्सटेंशन स्थित उत्सव ग्राउंड के पास जाल बिछाकर उपेंद्र उर्फ पीयूष को गिरफ्तार कर लिया गया।

पशुओं में सफल गर्भधारण के लिए सहायक पंजिका पर लुवास वैज्ञानिकों को मिला भारत सरकार का कॉपीराइट

» हरियाणा, यूटर्न/ 27 जुलाई ।

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के हरियाणा पशु विज्ञान केंद्र, महेंद्रगढ़ के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित 'पशुओं में सफल गर्भधारण के लिए सहायक पंजिका' को भारत सरकार द्वारा आधिकारिक कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह कॉपीराइट डॉ. दविंदर सिंह, डॉ. ज्योति शुन्थ्वल, डॉ. आनंद कुमार पाण्डेय एवं डॉ. सुजॉय खन्ना को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

कॉपीराइट प्राप्त होने पर वैज्ञानिकों ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. सुशीला मान तथा क्षेत्रीय निदेशक डॉ. दिनेश मित्तल भी उपस्थित रहे। कुलपति ने वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विकसित की गई ऐसी शोध आधारित सामग्री वैज्ञानिक एवं लाभकारी डेयरी पशुपालन को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य अनुसंधान से प्राप्त ज्ञान को सरल एवं व्यावहारिक रूप में पशुपालकों तक पहुँचाकर उनकी आय और उत्पादकता में वृद्धि करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक इसी प्रकार किसान हितैषी नवाचारों के माध्यम से पशुपालन क्षेत्र को नई तकनीकें उपलब्ध कराते रहेंगे।

यह सहायक पंजिका पशुपालकों, पशु चिकित्सकों तथा विद्यार्थियों के लिए स्टेप-बाय-स्टेप डिसीजन ट्री के रूप में तैयार की गई है। इसका उद्देश्य दुधारू पशुओं में समय पर गर्मी में न आना तथा बार-बार गभाधान के बावजूद गर्भधारण न होने जैसी प्रजनन संबंधी समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान में सहायता प्रदान करना है।

इस डिसीजन ट्री के माध्यम से उपयोगकर्ता पशु के लक्षणों, स्वास्थ्य स्थिति, प्रजनन इतिहास तथा क्षेत्रीय परिस्थितियों के आधार पर उचित निर्णय तक आसानी से पहुँच सकते हैं। इसमें साइलेंट हीट, कृत्रिम गभाधान (एआई) का उपयुक्त समय, असामान्य प्रजनन स्राव की पहचान एवं प्रबंधन, संतुलित पोषण, मिनरल सप्लीमेंटेशन तथा अन्य वैज्ञानिक प्रजनन एवं प्रबंधन उपायों की व्यावहारिक जानकारी शामिल की गई है। यह पंजिका गभाधान की सफलता दर बढ़ाने, प्रजनन दक्षता में सुधार लाने तथा डेयरी पशुपालन में होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करने में उपयोगी सिद्ध होगी। यह उपलब्धि लुवास के साथ-साथ देश में पशुपालन एवं पशु प्रजनन अनुसंधान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

तिलक राज चड्ढा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में अतिथि व्याख्यान का किया गया आयोजन

» हरियाणा, यूटर्न/ 27 जुलाई ।

तिलक राज चड्ढा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (टी.आई.एम.टी.), यमुनानगर द्वारा एमबीए प्रथम तथा अंतिम वर्ष एवम बीबीए अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'भर्तीकर्ता की रायः वे गुण जो आपको नौकरी दिलाते हैं' विषय पर एक प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को वर्तमान कॉर्पोरेट जगत की अपेक्षाओं, भर्ती प्रक्रिया के मानकों तथा उन व्यावसायिक गुणों एवं व्यवहारों से अवगत कराना था जो किसी भी कर्मचारी के सफल करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षणिक ज्ञान को उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ते हुए उन्हें रोजगार के लिए अधिक सक्षम एवं तैयार बनाना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों द्वारा नारंग स्टाफिंग सॉल्यूशन, मोहाली के संस्थापक अर्पित नारंग जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत करने के साथ हुआ। अपने संबोधन में नारंग ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में केवल शैक्षणिक योग्यता ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण, अनुशासन, प्रभावी संचार कौशल, व्यावसायिक नैतिकता तथा कार्य के प्रति प्रतिबद्धता किसी भी कर्मचारी की सफलता का वास्तविक आधार हैं।

अपने व्याख्यान के दौरान अर्पित नारंग ने उन सामान्य कारणों पर विस्तार से प्रकाश डाला जिनके कारण योग्य एवं प्रतिभाशाली कर्मचारी भी अपनी नौकरी खो देते हैं। उन्होंने बताया कि समय की पाबंदी का अभाव, कमजोर संचार कौशल, सीखने की इच्छा की कमी, नकारात्मक सोच, जिम्मेदारी से बचना, ईमानदारी का अभाव, टीम भावना की कमी, फीडबैक स्वीकार न करना तथा व्यावसायिक नैतिक मूल्यों की अनदेखी जैसे व्यवहार किसी भी कर्मचारी के करियर पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि आज की कंपनियाँ ऐसे कर्मचारियों की तलाश करती हैं जो बदलते कार्य परिवेश के अनुसार स्वयं को ढाल सकें, उत्तरदायित्व निभाने में सक्षम हों तथा सकारात्मक सोच के साथ संगठन के विकास में योगदान दें।

नारंग ने आगे भर्ती प्रक्रिया के दौरान रिक्रूटर्स द्वारा अपेक्षित महत्वपूर्ण गुणों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रभावी संचार कौशल, समस्या समाधान क्षमता, नेतृत्व गुण, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास, टीम वर्क, भावनात्मक बुद्धिमत्ता तथा निरंतर सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थियों को उद्योग आधारित प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, व्यावसायिक प्रमाणपत्र तथा व्यवहारिक अनुभव के माध्यम से स्वयं को रोजगार के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना चाहिए। अपने व्यावहारिक अनुभवों एवं वास्तविक भर्ती प्रक्रियाओं के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने बताया कि प्रथम प्रभाव, शारीरिक भाषा, प्रभावशाली बायोडाटा, साक्षात्कार में आत्मविश्वास तथा पेशेवर व्यवहार किसी भी उम्मीदवार के चयन में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मसूड़ों की बीमारी और मधुमेह के बीच का गहरा दोतरफा संबंध- डॉ. अनेजा

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 27 जुलाई । डॉ. आशीष अनेजा आरोग्य भारती सचिव, सीनियर फिजिशियन एवं डायबिटीज स्पेशलिस्ट, फररउक्क उक्डल सदस्य ने बताया कि मसूड़ों की बीमारियों और मधुमेह में बहुत गहरा दोतरफा संबंध है, मसूड़ों की बीमारी या पेरियोडोंटल बीमारी, उन ऊतकों का संक्रमण है जो दांतों को थामे रखते हैं। यह मुख्य रूप से खराब मौखिक स्वच्छता के कारण होती है, जिससे प्लाक बनता है। यदि इसका इलाज न किया जाए, तो यह मसूड़ों में सूजन, ब्लीडिंग, सांसों की बदबू और अंततः दांतों के नुकसान का कारण बन सकती है। डॉ. अनेजा ने बताया को मधुमेह से ग्रस्त लोगों में मसूड़ों की बीमारी होने का खतरा अधिक होता है, क्योंकि उच्च रक्त शर्करा मुंह में संक्रमण से लड़ने की शरीर की क्षमता को कमजोर करती है, और मसूड़ों की बीमारी रक्त शर्करा को नियंत्रित करना कठिन बना सकती है, जो मधुमेह और मौखिक स्वास्थ्य के बीच एक द्विपक्षीय संबंध बनाती है। मधुमेह रोगियों में मसूड़ों की बीमारी ज्यादा होती है, जिससे वे मौखिक बैक्टीरिया और मसूड़ों की सूजन के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। मधुमेह अक्सर लार उत्पादन में कमी का कारण बनता है, जिससे मुंह सूखता है, और बैक्टीरिया आसानी से पनपते हैं और प्लाक और टार्टर का कारण बनते है। डॉ. अनेजा का कहना है कि डायबिटीज और मसूड़ों की बीमारी के बीच के संबंध का विस्तृत विवरण दिया कि जब रक्त में शुगर का स्तर अधिक होता है, तो लार में भी ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। यह बैक्टीरिया को पनपने के लिए भोजन प्रदान करता है, जिससे दांतों पर प्लाक जमा हो जाता है और मसूड़ों में इन्फेक्शन (मसूड़ों की बीमारी) का खतरा बढ़ जाता है। मसूड़ों की बीमारी और डायबिटीज को कैसे प्रभावित करती है , गंभीर मसूड़ों का संक्रमण शरीर में सूजन पैदा करता है, यदि आपको पायरिया या मसूड़ों की गंभीर बीमारी है, तो आपकी डायबिटीज को दवाओं के माध्यम से भी नियंत्रित करना मुश्किल हो सकता है।

सत्या शर्मा फिर बनीं एमसीडी स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्यपाल सिंह निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई

एमसीडी की स्थायी समिति के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए मंगलवार को सिविक सेंटर स्थित निगम मुख्यालय में चुनाव संपन्न हुआ। वार्ड-226 (गौतमपुरी) से भाजपा पार्षद सत्या शर्मा लगातार दूसरी बार स्थायी समिति की अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुईं। वहीं, वार्ड-248 (करावल नगर वेस्ट) से भाजपा पार्षद सत्यपाल सिंह निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए।

निर्वाचन के बाद सत्या शर्मा ने कहा कि उनके कार्यकाल की प्राथमिकताएं स्वच्छ दिल्ली, स्वस्थ दिल्ली, शिक्षित दिल्ली, सुशासन और सशक्त निगम के पांच प्रमुख संकल्पों पर आधारित होंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सफाई व्यवस्था को मजबूत करना, ठोस कचरा प्रबंधन में सुधार, निगम के अस्पतालों और डिस्पेंसरी की सेवाओं को बेहतर बनाना, निगम स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना तथा निगम प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि स्थायी समिति को स्वस्थ और सकारात्मक संवाद का मंच बनाया जाएगा, जहां पक्ष और विपक्ष दोनों के पार्षदों को अपनी बात रखने का समान अवसर मिलेगा। जनहित से जुड़े हर मुद्दे पर लोकतांत्रिक और सार्थक चर्चा सुनिश्चित की जाएगी।

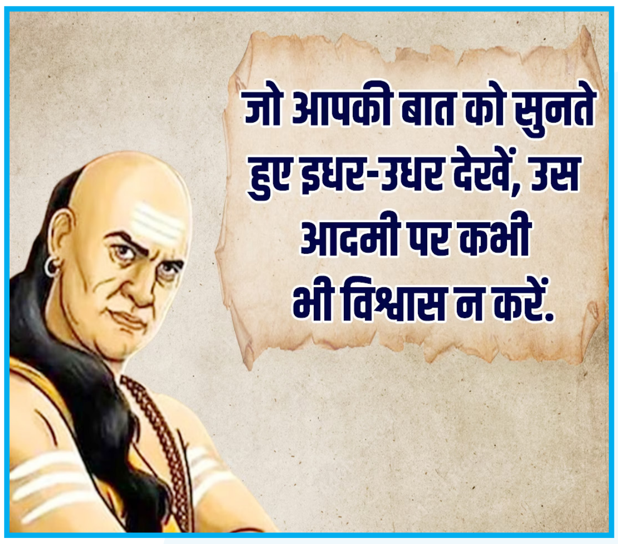

कैसे जेन जेड ने बीजेपी के आईटी सेल को मात दी

संदीप शर्मा

करीब बारह सालों तक, बीजेपी के आईटी सेल को भारत की सबसे मजबूत पॉलिटिकल कम्युनिकेशन मशीन माना जाता था। यह टीवी डिबेट शुरू होने से पहले ही एजेंडा तय कर देता था, ऐसे हैशटैग बनाता था जो सोशल मीडिया पर छा जाते थे, कुछ ही मिनटों में हजारों वॉलंटियर्स को इकट्ठा कर लेता था और अक्सर राजनीतिक विरोधियों को बैकफुट पर धकेल देता था। यह सिर्फ.एक कैंपेन टूल नहीं था; यह एक ऐसी संस्था बन गई थी जो राजनीतिक नैरेटिव को आकार देती थी। फिर आया जेन जेड। महंगे वॉर रूम के जरिए नहीं। संगठित पदानुक्रम के जरिए नहीं। पार्टी के आधिकारिक ढांचे के जरिए नहीं। बल्कि मीम्स, व्यंग्य, मजाक और ऐसे इंटरनेट कल्चर के जरिए जो सिर्फ.इसलिए किसी अथॉरिटी का सम्मान करने से इनकार करता है क्योंकि अथॉरिटी इसकी मांग करती है। और जंतर-मंतर पर जेन जेड, बीजेपी के आईटी सेल से मीलों आगे था। बीजेपी का डिजिटल दबदबा उस दौर के लिए बना था जब जानकारी एक सीधी लाइन में चलती थी, नेताओं से समर्थकों तक और फिर जनता तक। आज का इंटरनेट अलग तरह से काम करता है। यह विकेंद्रीकृत है, अव्यवस्थित है और इसे कंट्रोल करना नामुमकिन है। सबसे असरदार कंटेंट बनाने वाले अक्सर अनजान टीनएजर्स होते हैं जिनके पास स्मार्टफोन होता है, न कि पार्टी के पदाधिकारी जिनके पास स्प्रेडशीट होती है। बीजेपी ने मैसेजिंग की राजनीति में महारत हासिल की। जेन जेड ने रीमिक्सिंग की राजनीति में महारत हासिल की। हर सोच-समझकर बनाए गए राजनीतिक नारे के कुछ ही मिनटों में मीम बन जाने का खतरा रहता है। हर आधिकारिक कैंपेन वीडियो को ओरिजिनल वीडियो के व्यूज बढ़ने के दौरान ही क्लिप, एडिट और व्यंग्य में बदला जा सकता है। इंस्टाग्राम रील्स, यूट्यूब शॉर्ट्स और वायरल कल्चर में पली-बढ़ी पीढ़ी राजनीति को भी वैसे ही देखती है जैसे मनोरंजन को तेजी से, बिना किसी सम्मान के और आधिकारिक नैरेटिव के लिए ज्यादा सब्र रखे बिना। यह एक बड़ा बदलाव है। बीजेपी का आईटी सेल तब बहुत अच्छा काम करता था जब फेसबुक, एक्स और व्हॉट्सएप अनुशासन और मैसेज को बार-बार दोहराने को बढ़ावा देते थे। नई पीढ़ी ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर रहती है जो एल्गोरिदम से चलते हैं और जो संगठनात्मक ताकत के बजाय ओरिजिनैलिटी, मजाक और असलियत को बढ़ावा देते हैं। आज वायरल कंटेंट शायद ही कभी राजनीतिक मुख्यालय से निकलता है। यह अनगिनत स्वतंत्र क्रिएटर्स से निकलता है जो किसी के प्रति जवाबदेह नहीं होते। और वे इस्टाग्राम पर बहुत ज्यादा निर्भर रहते हैं। मजाक एक पॉलिटिकल इक्वलाइजर बन गया है। तथ्यों के उलट, मजाक का जवाब देना मुश्किल होता है। सरकारें आरोपों का खंडन कर सकती हैं, आंकड़ों को चुनौती दे सकती हैं या स्पष्टीकरण जारी कर सकती हैं। उन्हें मजाक का जवाब देने में मुश्किल होती है। एक बार जब कोई मीम लोगों की सोच पर छा जाता है, तो फैक्ट-चेक अक्सर बहुत देर से आते हैं। इंटरनेट यह बात लंबे समय से समझता है कि हंसी, लंबी आलोचना की तुलना में अथॉरिटी को ज्यादा असरदार तरीके से कमजोर कर सकती है। जेन जेड स्वाभाविक रूप से इस भाषा को समझते हैं। वे वैचारिक बहस के बजाय व्यंग्य का इस्तेमाल करते हैं। भाषणों के बजाय, वे 15-सेकंड के वीडियो बनाते हैं। सोच-समझकर लिखी गई आलोचनाओं के बजाय, वे ऐसे विजुअल मजाक बनाते हैं जिन्हें किसी स्पष्टीकरण की जरूरत नहीं होती। उनका कंटेंट इसलिए शेयर नहीं किया जाता कि लोग राजनीतिक रूप से सहमत हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें यह मजेदार लगता है। यह एक ऐसा रणक्षेत्र है जहाँ संस्थागत अनुभव का बहुत कम फायदा मिलता है। रफ़्तार भी मायने रखती है। कभी आईटी सेल की तारीफ इसलिए होती थी कि वह कुछ ही घंटों में जवाब दे देता था। अब इंटरनेट कल्चर मिनटों में बदल जाता है। जो ट्रेंड सुबह छाया रहता है, वह शाम तक गायब हो सकता है। राजनीतिक संगठन, जो मंजूरी और मैसेजिंग के नियमों से बंधे होते हैं, हमेशा उन डिसेंट्रलाइज्ड क्रिएटर्स की तेजी का मुकाबला नहीं कर पाते जो तुरंत कुछ भी अपलोड कर सकते हैं। हालाँकि, शायद सबसे बड़ी चुनौती तकनीकी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक है। इस विरोध-प्रदर्शन ने सरकार को पहली बार मुश्किल स्थिति में डाल दिया है और उसे कुछ समझ नहीं आ रहा है कि क्या करे। सोनम वांगचुक ने अनशन तो तोड़ दिया है, लेकिन विरोध जारी है।

हरित भविष्य की राह

प्रकृति संरक्षण का संकल्प

सुनील कुमार महला

बहरहाल, यदि हम यहां पर भारत में वनों की स्थिति की बात करें तो एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 21.76% भाग वन क्षेत्र है, जबकि वृक्ष आवरण लगभग 3.41% है। दोनों को मिलाकर वन एवं वृक्ष आवरण लगभग 25.17% है। कहना गलत नहीं होगा कि आज देश में विकास परियोजनाओं, सड़क एवं रेल निर्माण, खनन, शहरीकरण और अवैध कटाई के कारण कई क्षेत्रों में वनों पर दबाव बढ़ रहा है।वनों की कटाई से जैव विविधता घटती है, वन्यजीवों के आवास नष्ट होते हैं, मिट्टी का कटाव बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन की समस्या गंभीर होती है।

प्रतिवर्ष 28 जुलाई को जैव विविधता के संरक्षण, विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित किए जाने, पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति की रक्षा करने के क्रम में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है।

आज विकास की होड़ में जगह-जगह कंक्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं और प्राकृतिक संसाधनों का जमकर दोहन किया जा रहा है। मानव अपने स्वार्थ और लालच के चक्कर में प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा करना भूल सा गया है और प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जंगल कम होते चले जा रहे हैं और जलवायु परिवर्तन हो रहा है। धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है और ग्लेशियर पिघल रहे हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि पृथ्वी के प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वन, मिट्टी, वायु, वन्यजीव और जैव विविधता आदि सीमित हैं तथा इनके संरक्षण के बिना मानव जीवन और सतत विकास संभव नहीं है। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और नैतिक कर्तव्य है। आज के समय में अनियंत्रित शहरीकरण, प्लास्टिक प्रदूषण, अंधाधुंध खनन और वनों की कटाई प्रकृति के सामने सबसे बड़ी चुनौतियाँ हैं। वास्तव में प्रकृति केवल हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति का साधन नहीं, बल्कि जीवन का मूल आधार है। यदि जंगल, नदियाँ, मिट्टी, वायु और वन्यजीव सुरक्षित रहेंगे, तभी मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल बचाने, अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने, प्लास्टिक का कम उपयोग करने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रकृति का सम्मान और संरक्षण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे मूल्यवान विरासत है।

बहरहाल, यदि हम यहां पर भारत में वनों की स्थिति की बात करें तो एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 21.76% भाग वन क्षेत्र है, जबकि वृक्ष आवरण लगभग 3.41% है। दोनों को मिलाकर वन एवं वृक्ष आवरण लगभग 25.17% है। कहना गलत नहीं होगा कि आज देश में विकास परियोजनाओं, सड़क एवं रेल निर्माण, खनन, शहरीकरण और अवैध कटाई के कारण कई क्षेत्रों में वनों पर दबाव बढ़ रहा है।वनों की कटाई से जैव विविधता घटती है, वन्यजीवों के आवास नष्ट होते हैं, मिट्टी का कटाव बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन की समस्या गंभीर होती है। आज प्रकृति के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती प्लास्टिक प्रदूषण की है। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो जानकारी मिलती है कि दुनिया में हर वर्ष 400 मिलियन टन (40 करोड़ टन) से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन होता है। इसका बड़ा हिस्सा कचरे के रूप में पर्यावरण में पहुँच जाता है।यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही, तो 2050 तक गलत तरीके से प्रबंधित (रेंल्लौंी) प्लास्टिक कचरा लगभग दोगुना होकर 12.1 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुँच सकता है। भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण के समक्ष एक बहुत ही गंभीर व बड़ी चुनौती है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में 2022झ23 के दौरान लगभग 41.36 लाख टन (4.14 मिलियन टन) प्लास्टिक कचरा दर्ज किया गया। यह बहुत ही संवेदनशील है कि भारत से हर वर्ष लगभग 93 लाख टन (9.3 मिलियन टन) प्लास्टिक पर्यावरण में उत्सर्जित होता है, जो वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का लगभग 20% है। इतना ही नहीं, आज एआइ व इलैक्ट्रिक व्हीकल का दौर है।एआई और इलेक्ट्रिक व्हीकल के दौर में भी प्रदूषण की चुनौती बहुत बड़ी है। एआई के लिए विशाल डेटा सेंटरों को भारी मात्रा में बिजली और पानी की आवश्यकता होती है, जबकि इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरियों के निर्माण के लिए लिथियम, कोबाल्ट और निकेल जैसे खनिजों का बड़े पैमाने पर खनन किया जाता है, जिससे पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है।

नीट आंदोलन ने छात्र शक्ति का नया अध्याय लिखा

सौरभ वार्ष्णेय

झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए देश के लोकतांत्रिक इतिहास में समय-समय पर ऐसे जनआंदोलन हुए हैं, जिन्होंने सत्ता को जनता की आवाज सुनने के लिए विवश किया। कभी किसानों का आंदोलन, कभी भ्रष्टाचार विरोधी जनआंदोलन और अब नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक तथा परीक्षा प्रणाली में अनियमितताओं के विरुद्ध छात्रों का आंदोलन—इन घटनाओं ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में संगठित, शांतिपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण जनशक्ति किसी भी सरकार से अधिक प्रभावशाली हो सकती है। यही कारण है कि आज यह कहावत फिर प्रासंगिक प्रतीत होती है—झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए।

नीट परीक्षा देश के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक है। ऐसे में यदि परीक्षा की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाए, तो यह केवल एक परीक्षा का संकट नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था की साख पर आघात होता है। वर्षों की कठिन मेहनत के बाद जब छात्रों को यह महसूस हो कि उनकी सफलता योग्यता के बजाय व्यवस्था की खामियों पर निर्भर हो सकती है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है।

इसी पीड़ा ने देशभर के छात्रों को एक मंच पर ला खड़ा किया। सोशल मीडिया के माध्यम से संगठित हुए युवाओं ने जंतर-मंतर सहित विभिन्न स्थानों पर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद की। यह आंदोलन किसी एक राजनीतिक दल के नेतृत्व में नहीं,

बल्कि छात्रों और जागरूक नागरिकों की सामूहिक भागीदारी से आगे बढ़ा। इसने यह भी सिद्ध किया कि आज का युवा केवल डिजिटल प्लेटफॉर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर संविधानसम्मत तरीके से सड़क पर उतरकर भी अपने अधिकारों की रक्षा करना जानता है।

लगातार बढ़ते जनदबाव के बीच सरकार को शिक्षा व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़े। शिक्षा मंत्री का इस्तीफा, परीक्षा प्रणाली में सुधार के संकेत और पारदर्शिता को लेकर बढ़ी गंभीरता—इन घटनाओं को व्यापक स्तर पर छात्र आंदोलन की नैतिक सफलता के रूप में देखा गया। इससे यह संदेश स्पष्ट हुआ कि लोकतंत्र में सत्ता अंततः जनता की आवाज के प्रति जवाबदेह होती है।यदि आंदोलन तथ्यों, अनुशासन और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के साथ संचालित हो, तो सबसे मजबूत सरकारों को भी अपने निर्णयों पर पुनर्विचार करना पड़ता है।

यह आंदोलन एक और महत्वपूर्ण संदेश देता है। छात्रों को केवल भविष्य के मतदाता या राजनीतिक भीड़ के रूप में देखना बड़ी भूल होगी। भारतीय इतिहास इस बात का साक्षी है कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जेपी आंदोलन तक छात्र शक्ति ने परिवर्तन की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाई है। आज भी युवा केवल अपने व्यक्तिगत भविष्य के लिए नहीं, बल्कि व्यवस्था में पारदर्शिता और न्याय की स्थापना के लिए संघर्ष कर रहे हैं।हालाँकि, यह भी उतना ही आवश्यक है कि छात्र आंदोलनों का उद्देश्य राजनीतिक लाभ नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार हो। यदि किसी आंदोलन का केंद्र शिक्षा, पारदर्शिता और समान अवसर के बजाय राजनीतिक ध्रुवीकरण बन जाए, तो उसका मूल उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। इसलिए सरकार, विपक्ष, न्यायपालिका और समाज—सभी की साझा जिम्मेदारी है कि परीक्षा प्रणाली को इतना मजबूत बनाया जाए कि पेपर लीक, नकल माफिया और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं की पुनरावृत्ति न हो।

नीट विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल दोषियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है।परीक्षा संचालन की पूरी व्यवस्था में तकनीकी सुधार, डिजिटल सुरक्षा, संस्थागत जवाबदेही, समयबद्ध जांच और कठोर दंड व्यवस्था लागू करना समय की आवश्यकता है। लाखों छात्रों का भविष्य किसी प्रशासनिक लापरवाही या संगठित अपराध की भेंट नहीं चढ़ सकता। इस आंदोलन को लेकर यह धारणा भी सामने आई कि लंबे समय बाद केंद्र सरकार को छात्रों के बढ़ते दबाव के बीच कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़े।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

लगातार 5 दिनों की गिरावट के बाद बाजार में छाई हरियाली, सेंसेक्स 776 अंक चढ़ा, निफ्टी करीब 1 प्रतिशत ऊपर

» मुंबई, यूटर्न/ 27 जुलाई ।

अमेरिका और ईरान द्वारा हमलों को स्थगित करने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के चलते हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार शानदार तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस बीच घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी 50 में 1 प्रतिशत तक की बढ़त देखने को मिली। बाजार में यह तेजी पिछले लगातार 5 कारोबारी सत्रों में गिरावट के बाद आई है।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 776.01 अंक यानी 1.02 प्रतिशत बढ़कर 76,835.78 पर पहुंच गया, तो वहीं एनएसई का निफ्टी 50 228.50 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 23,995.95 पर बंद हुआ।

व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 1.11 प्रतिशत और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.31 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो दिन के कारोबार में सभी सेक्टर हरे निशान में बंद हुए। निफ्टी मीडिया 2.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ शीर्ष प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र बनकर उभरा, इसके बाद निफ्टी आईटी 2.3 प्रतिशत की बढ़त के साथ दूसरे स्थान पर रहा। निफ्टी रियल्टी में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी ऑटो और निफ्टी फार्मा में क्रमशः 1.6 प्रतिशत और 1.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी में 1 प्रतिशत, निफ्टी बैंक में 0.7 प्रतिशत, निफ्टी इंफ्रा में 0.66 प्रतिशत, निफ्टी मेटल में 0.6 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.45 प्रतिश, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.42 प्रतिशत और निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

केशव चंद्र ने संभाला खान मंत्रालय के सचिव का पदभार

खनिज क्षेत्र को मजबूती देने पर रहेगा फोकस

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी केशव चंद्र ने सोमवार को खान मंत्रालय के सचिव के रूप में पदभार संभाल लिया। वह ऐसे समय यह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जब केंद्र सरकार देश की खनन और खनिज क्षेत्र को मजबूत बनाने, क्रिटिकल मिनरल्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने और खनिज संसाधनों के विकास में तेजी लाने पर विशेष जोर दे रही है।

पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद केशव चंद्र ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं तथा चल रही गतिविधियों की समीक्षा की।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने उन्हें मिनरल एक्सप्लोरेशन, मिनरल ब्लॉक्स की ऑक्शन और ऑपरेशनलाइजेशन, क्रिटिकल और स्ट्रैटेजिक मिनरल्स के विकास तथा मंत्रालय की अन्य प्रमुख योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

खान मंत्रालय ने कहा, 'आईएएस अधिकारी केशव चंद्र ने आज खान मंत्रालय के सचिव के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के तुरंत बाद उन्होंने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रमुख पहलों और चल रही गतिविधियों की समीक्षा की।'

बैठक में खनिजों की उपलब्धता बढ़ाने, संसाधनों के विकास में तेजी लाने और देश की दीर्घकालिक आर्थिक एवं औद्योगिक वृद्धि को समर्थन देने से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

केशव चंद्र ने योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि मंत्रालय की प्रमुख पहलों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रभावी नीति क्रियान्वयन और सभी संबंधित पक्षों के बीच मजबूत सहयोग के जरिए भारत के खनिज क्षेत्र को और सशक्त बनाया जा सकता है। मंत्रालय के अनुसार, 'बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने सचिव को मिनरल एक्सप्लोरेशन, मिनरल ब्लॉक्स की ऑक्शन और ऑपरेशनलाइजेशन, क्रिटिकल और स्ट्रैटेजिक मिनरल्स तथा खनन एवं खनिज क्षेत्र से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की जानकारी दी।'

मंत्रालय ने आगे कहा, 'खान सचिव ने भारत के खनिज क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए मंत्रालय की प्रमुख पहलों के प्रभावी क्रियान्वयन और सभी संबंधित पक्षों के बीच समन्वित प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।' केशव चंद्र 1995 बैच के एजीएमयूटी कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने ऐसे समय यह जिम्मेदारी संभाली है, जब सरकार क्रिटिकल मिनरल्स की सुरक्षा, मिनरल एक्सप्लोरेशन के विस्तार और देश की खनिज क्षमता का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए सुधारों को तेजी से आगे बढ़ा रही है।

संक्षिप्त खबरें

हिंदुस्तान जिंक 25,000 करोड़ के मेगा विस्तार की तैयारी में

नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई । वेदांत समूह की सहायक कंपनी हिंदुस्तान जिंक (एचजेडएल) ने अपनी परिष्कृत धातु उत्पादन क्षमता के अगले बड़े विस्तार चरण की घोषणा की है। कंपनी इस पर लगभग 25,000 करोड़ रुपये का विशाल निवेश करने की योजना बना रही है। इस परियोजना के तहत जिंक और सीसा गलाने की 600 हजार टन प्रति वर्ष (केटीपीए) की अतिरिक्त क्षमता स्थापित की जाएगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एचजेडएल प्रबंधन चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में इस प्रस्तावित निवेश के लिए निदेशक मंडल से मंजूरी मांगेगा। मिश्र ने परिणाम के बाद बातचीत में कहा कि निदेशक मंडल की मंजूरी के बाद विस्तार परियोजना में लगभग 36 महीने लगेंगे। इसके अतिरिक्त, हिंदुस्तान जिंक पहले से ही 12,000 करोड़ रुपये के निवेश से अपनी मौजूदा 1,144 केटीपीए परिष्कृत धातु क्षमता में 250 केटीपीए की वृद्धि कर रहा है। इसमें राजस्थान के देबारी में एकीकृत जिंक स्मेल्टर की क्षमता बढ़ाना शामिल है, जो वित्त वर्ष 29 की दूसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। यह परियोजना खनन क्षमता को भी 1,180 केटीपीए से बढ़ाकर 1,510 केटीपीए करेगी।

इनोवा हाइक्रॉस का फेसलिफ्ट संस्करण लाने की तैयारी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई । भारतीय बाजार में टोयोटा अपनी सात-सीटर इनोवा हाइक्रॉस का फेसलिफ्ट संस्करण लाने की तैयारी में है। कंपनी अब इसके उन्नत संस्करण पर तेजी से काम कर रही है। सड़क परीक्षण के दौरान यह वाहन हाल ही में एक बार फिर कैमरे में कैद हुआ है, जिससे इसके आगामी स्वरूप की अधिक स्पष्ट झलक मिली है। सामने आई तस्वीरों से पता चलता है कि टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस फेसलिफ्ट में सबसे बड़े बदलाव इसके अगले हिस्से में देखने को मिलेंगे। यह मौजूदा मॉडल की तुलना में अधिक दमदार और स्पोर्टी लुक देगा, जिसमें पतली रोशनी इकाइयाँ, एक नया आकार का ग्रिल और बदला हुआ अगला बंपर शामिल होगा। माना जा रहा है कि इसका डिजाइन टोयोटा की नई पीढ़ी की हिलक्स से प्रेरित होगा, जो इसे पारंपरिक बहुउद्देश्यीय वाहन की बजाय एक मजबूत उपयोगी वाहन का अनुभव देगा। वाहन के किनारों और पिछले हिस्से में अपेक्षाकृत सीमित बदलावों की उम्मीद है।

अमेरिका-ईरान के बीच सैन्य हमले रुकने से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें करीब 5 प्रतिशत तक लुढ़कीं

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई ।

अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य हमलों पर विराम लगने के बाद सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी बिकवाली देखने को मिली। प्रमुख तेल बेंचमार्क में करीब 5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

सुबह 10:20 पर अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 4.8 प्रतिशत से अधिक यानी करीब 4.64 डॉलर टूटकर लगभग 87.55 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया।

वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल भी 5.09 प्रतिशत यानी लगभग 4.56 डॉलर गिरकर 85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

तेल की कीमतों में यह तेज गिरावट ऐसे समय आई जब ईरान ने संकेत दिया कि यदि अमेरिका भी सैन्य अभियान रोकता है तो वह आगे कोई हमला नहीं करेगा। इससे इस संघर्ष के कूटनीतिक समाधान की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

यह ताजा गिरावट पिछले तीन सप्ताह में तेल की कीमतों में आई तेज तेजी के बाद देखने को मिली है। इस दौरान ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था। बाजार को आशंका थी कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से हॉर्मुज स्ट्रेट और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट के रास्ते कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है। ये दोनों दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा शिपिंग मार्गों में शामिल हैं।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान समर्थित हूती बलों द्वारा सऊदी अरब के रेड सी (लाल सागर) स्थित सऊदी अरामको की जिजान और यानबू बंदरगाहों पर हमले का दावा इस बात का संकेत है कि भू-राजनीतिक जोखिम अभी भी ऊंचे बने हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सोमवार की तेज गिरावट के बावजूद इस महीने कच्चे तेल की कीमतें अब भी लगभग 40 प्रतिशत ऊंची हैं। इसका कारण यह है कि आपूर्ति संबंधी बाधाएं हॉर्मुज स्ट्रेट से बढ़कर लाल सागर तक फैल गई हैं, जो सऊदी अरब के तेल निर्यात का एक अहम मार्ग है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े जोखिम पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं..

रॉयल एनफील्ड ने बनाया नया रिकॉर्ड: बिक्री में 32% का उछाल

एक तिमाही में दूसरी बार 3 लाख से ज्यादा बाइक बेचीं

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई ।

रॉयल एनफील्ड ने घरेलू मोटरसाइकिल बाजार में अपना दबदबा कायम रखते हुए एक नया बिक्री रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2027 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में 3,01,174 यूनिट्स की थोक बिक्री दर्ज की। यह आंकड़ा पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही (2,28,779 यूनिट्स) की तुलना में 32 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।

यह दूसरी बार है जब रॉयल एनफील्ड ने एक तिमाही में 3,00,000 से अधिक मोटरसाइकिलों की बिक्री की है, इससे पहले वित्तीय वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में (अक्टूबर-दिसंबर 2025) 3,00,426 यूनिट्स बेची गई थीं। इन रिकॉर्ड आंकड़ों के साथ रॉयल एनफील्ड वित्तीय वर्ष 2027 में अपनी अब तक की सबसे बड़ी बिक्री के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

यदि कंपनी मौजूदा वित्तीय वर्ष की शेष तिमाहियों में भी इसी तरह की दो अंकों वाली वृद्धि दर बनाए रखती है, तो वह पहली बार घरेलू बाजार में 12 लाख यूनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार कर सकती है। वित्तीय वर्ष 2026 में कंपनी ने 11.07 लाख बाइक बेची थीं, जो पिछले साल के मुकाबले 23 प्रतिशत ज्यादा थीं।

पहली तिमाही के इन शानदार आंकड़ों ने रॉयल एनफील्ड को 10 बाइक बनाने वाली कंपनियों द्वारा बेची गई कुल 33 लाख मोटरसाइकिलों में 9 प्रतिशत की हिस्सेदारी दिलाई है, जो पिछले वर्ष की 8 प्रतिशत हिस्सेदारी से बेहतर है। हालांकि, निर्यात के मोर्चे पर कंपनी को कुछ गिरावट का सामना करना पड़ा है, जहां वित्तीय वर्ष 2027 की पहली तिमाही में 29,253 यूनिट्स की बिक्री में साल-दर-साल 20 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

टीवीएस जुपिटर की जबरदस्त मांग, कुल बिक्री में 46% की वृद्धि

जून में 1.36 लाख से अधिक यूनिट्स बिकीं

नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई । जून 2026 की मासिक बिक्री रिपोर्ट में टीवीएस जुपिटर स्कूटर ने एक बार फिर भारतीय ग्राहकों के दिलों पर राज करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। बीते महीने जुपिटर ने कुल 1,36,805 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो जून 2025 की 1,07,980 यूनिट्स की तुलना में 27 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी है। यह आंकड़ा इस मॉडल की निरंतर लोकप्रियता और मजबूत मांग को दर्शाता है, जिसने कंपनी

के अन्य 11 मॉडलों को पीछे छोड़ दिया। बिक्री सूची में टीवीएस अपाचे ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, जिसने 34 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 55,382 यूनिट्स बेचीं। तीसरे नंबर पर टीवीएस एक्सएल सुपर रही, जिसकी 50,155 मोपेड यूनिट्स की बिक्री में 50 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई। टीवीएस आईक्यूब इलेक्ट्रिक स्कूटर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 232 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी के साथ 47,331 यूनिट्स बेचकर चौथा स्थान हासिल किया, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता का प्रमाण है।

टीवीएस एनटॉर्क पांचवें स्थान पर रहा, जिसकी बिक्री 65 प्रतिशत बढ़कर 37,762 यूनिट्स हो गई। टीवीएस राइडर ने 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 36,983 यूनिट्स बेचकर छठा स्थान हासिल किया। वहीं, टीवीएस रेडियन सातवें नंबर पर रही, जिसने 46 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी के साथ 12,920 मोटरसाइकिल यूनिट्स की बिक्री की।

टीवीएस स्पोर्ट्स ने 33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 11,560 यूनिट्स बेचकर आठवां स्थान प्राप्त किया, जबकि टीवीएस रोनिन ने 137 प्रतिशत की भारी वृद्धि के साथ 10,157 यूनिट्स के साथ नौवीं जगह बनाई।

टीवीएस जेस्ट ने 10,104 यूनिट्स बेचीं, वहीं टीवीएस आरआर310 ने 454 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 1,855 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की।

तार चोरी कर भाग रहे युवक को दबोचा

गाजियाबाद, यूटर्न/ 27 जुलाई । सिहानीगेट क्षेत्र की नेहरूनगर कॉलोनी में मकान से तार चोरी कर भाग रहे चोर को गार्ड और मकान मालिक की सूझबूझ से पकड़ लिया गया। आरोपी को पुलिस को सौंप दिया गया, उससे पुलिस पूछताछ कर रही है। नेहरूनगर निवासी सौरभ ने बताया कि 24 जुलाई की दोपहर को वह अपने घर पर मौजूद थे। तभी उनके घर से चोर तार चोरी करने जाने लगा। उसको गार्ड ने देख लिया और शोर मचा दिया। इसके बाद आरोपी ने गार्ड को ईंट फेंककर मार दी। शोर सुनकर वह भी आ गए। दोनों ने हिम्मत कर आरोपी को दबोच लिया। आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम अनम गार्डन लोनी निवासी सुहेल के रूप में हुई। आरोपी से तार कब्जे में ले लिया गया। एसीपी जियाउद्दीन ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उसके आपराधिक इतिहास की भी जांच चल रही है। सौरभ की शिकायत पर इसमें रिपोर्ट दर्ज की गई है।

लिफ्ट देने के बहाने नकदी से भरा बैग ले उड़े शातिर

गाजियाबाद, यूटर्न/ 27 जुलाई । नंदग्राम थाना क्षेत्र में मेरठ रोड पर परशुराम मंदिर के पास शातिरों ने युवक को लिफ्ट देने के बहाने उसका नकदी से भरा बैग छीन लिया और रफूचक्कर हो गए। इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी है। राजस्थान के चुरू के गांव पाटमदेसर निवासी बीरबल ने बताया कि वह मेरठ रोड पर खड़े थे। तभी बाइक सवार आकर रुके। उन्होंने जैसे ही उनसे रुड़की जाने की बात कही तो वह कहने लगे कि उनकी गाड़ी भी रुड़की जाएगी। वह थोड़ा आगे खड़ी है। उनकी बातों पर भरोसा करके वह उनकी बाइक पर बैठ गए।

विपक्ष के सांसदों ने सरकार पर लगाया आरोप, कहा- 'सरकार जनता और छात्रों को कानून के नाम पर कर रही गुमराह'

नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई । संसद के मॉनसून सत्र के दौरान सोमवार को सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026, छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों को लेकर विपक्ष ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने सरकार पर छात्रों के साथ कठोर व्यवहार करने, पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर गंभीरता नहीं दिखाने का आरोप लगाया। वहीं, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी और गृह मंत्री अमित शाह की निंदा की भी मांग दोहराई।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसद परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि उन्हें यह जानकारी मिली है कि बिहार और पश्चिम बंगाल में छात्रों के खिलाफ अब भी एफआईआर दर्ज की जा रही हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस सूचना की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि यदि इसकी पुष्टि ही नहीं हुई है, तो फिर इस पर बहस का क्या औचित्य है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सार्वजनिक परीक्षाओं संशोधन विधेयक पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार पहले भी इस विषय पर कानून बना चुकी है। उन्होंने पूछा कि यदि पहले के कानून पर्याप्त थे, तो अब संशोधन की आवश्यकता क्यों पड़ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि छात्रों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया और सवाल किया कि क्या सरकार को पढ़े-लिखे छात्रों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा महसूस हो रहा था। यदि सरकार वास्तव में कार्रवाई करना चाहती, तो अब तक जांच एजेंसियां ठोस नतीजे सामने ला चुकी होतीं।

इमरान मसूद ने पेपर लीक के मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अभी तक चार्जशीट दाखिल नहीं कर पाया है और मुख्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। उनके अनुसार सरकार केवल नए कानून लाने की बात कर रही है, जबकि प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही। उन्होंने कहा कि यदि समय पर कार्रवाई होती, तो उसके परिणाम भी दिखाई देते। लोकसभा में कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान आरोप लगाया कि सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को बचाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक अदालत ने एक आरोपी को जांच में खामियों के कारण बरी कर दिया था ।..

संक्षिप्त खबरें

ब्रेन ट्यूमर की बिना चीरा लगाए सफल सर्जरी

फरीदाबाद, यूटर्न/ 27 जुलाई । शहर के एक निजी अस्पताल में इराक निवासी युवा ताहा हसन अली के ब्लीडिंग पिट्यूटरी ट्यूमर की बिना खोपड़ी खोले सफल सर्जरी की गई। लंबे समय से सिरदर्द, आंखों की रोशनी कम होने और हार्मोनल गड़बड़ी से परेशान ताहा इलाज के लिए भारत पहुंचे थे। जांच में उनकी दोनों आंखों के विजुअल फील्ड में कमी और एमआरआई में पिट्यूटरी ग्रंथि में रक्तस्राव वाले ट्यूमर की पुष्टि हुई। मैरिंगो एशिया अस्पताल के निदेशक न्यूरोसर्जरी डॉ. तरुण शर्मा ने बताया कि न्यूरोनैविगेशन तकनीक की मदद से ट्यूमर तक सटीक पहुंच बनाई गई ।

जंतर मंतर पर शांति, एक वीडियो से गाजियाबाद में बवाल

गाजियाबाद, यूटर्न/ 27 जुलाई । जंतर मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहा धरना समाप्त हो गया, लेकिन गाजियाबाद के एक युवक के वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सत्यम पंडित नाम के युवक ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट की है। इसमें वह जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे दो युवकों को धमकाता और थप्पड़ मारता हुआ दिखाई दे रहा है। गाड़ी में बैठा सत्यम दोनों युवकों को बुलाने के बाद उनके साथ आपत्तिजनक भाषा का भी प्रयोग करता है।

मोटे मुनाफे के लालच में गंवा दिए 10.15 लाख

गाजियाबाद, यूटर्न/ 27 जुलाई । लोनी की वेद विहार कॉलोनी निवासी राजकुमार को मोटे मुनाफे का लालच देकर शातिरों ने 10.15 लाख रुपये ठग लिए। उन्होंने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित राजकुमार ने बताया कि वह रिटायर्ड कर्मचारी हैं। फेसबुक पर उन्होंने शेयर बाजार में निवेश करके मोटी कमाई का विज्ञापन देखा था। उन्होंने दिए नंबर पर बात की तो आरोपी ने खुद को बड़ी कंपनी का प्रतिनिधि बताया। उनको शेयर बाजार से जुड़ी तमाम जानकारी दी और कहा कि उनके अनुसार निवेश किया तो बड़ा मुनाफा होगा। उनके पास एक्सपर्ट टीम है, जो दिनरात इसपर काम करती है। उस पर भरोसा करके उन्होंने 10.15 लाख रुपये दिए गए खातों में जमा कर दिए।

इंस्टाग्राम पर फर्जी ज्वेलरी बेचकर 1.16 लाख की ठगी, साइबर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 27 जुलाई ।**

सेंट्रल जिला साइबर थाना पुलिस ने इंस्टाग्राम पर फर्जी ज्वेलरी का विज्ञापन देकर लोगों से ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हरियाणा के पलवल जिले के होडल निवासी 26 वर्षीय अंकित ठाकुर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद कर जब्त किया है। मामले में एक अन्य आरोपी शमीम की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, 15 फरवरी 2026 को एक महिला ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर ज्वेलरी का एक आकर्षक विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करने की कोशिश की, लेकिन कॉल नहीं लगी। कुछ देर बाद दूसरे नंबर से उसे फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को ज्वेलरी विक्रेता का प्रतिनिधि बताया और बाद में व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर ज्वेलरी भेजने का भरोसा दिलाया। आरोपी की बातों पर विश्वास करके महिला ने 14 फरवरी 2026 को कई यूपीआई और पेटीएम लेन-देन के जरिए कुल 1,16,975 रुपये भेज दिए। काफी समय तक ज्वेलरी नहीं मिलने पर उसे ठगी का एहसास हुआ और उसने पुलिस से शिकायत की। इसके बाद साइबर थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने इंस्टाग्राम खाते, मोबाइल नंबरों और वित्तीय लेनदेन का तकनीकी विश्लेषण किया। जांच में पता चला कि ठगी की रकम में से 97,580 रुपये एक व्यक्ति के नाम पर जारी कोटक महिंद्रा बैंक के क्रेडिट कार्ड का बकाया चुकाने में इस्तेमाल किए गए जबकि 19,395 रुपये दूसरे व्यक्ति के नाम पर जारी एक अन्य क्रेडिट कार्ड के भुगतान में लगाए गए।

आगे की जांच में सामने आया कि इनमें से एक क्रेडिट कार्ड और उससे जुड़ा सिम कार्ड राखी नामक महिला के नाम पर था लेकिन उसका इस्तेमाल अंकित ठाकुर कर रहा था।

दहेज प्रताड़ना मामले में पति को दो साल की सजा, सास-जेठ और जेठानी बरी

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 27 जुलाई**

दहेज के लिए पत्नी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित और पिटाई करने के करीब दस साल पुराने मामले में अदालत ने पति को दोषी करार दिया है। त्वरित न्यायालय-1 (महिलाओं के विरुद्ध अपराध) की पीठासीन अधिकारी स्नेहा सिंह ने पति प्रवीण कुमार को दो वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। सास रोशनी, जेठ पंकज और जेठानी निशा को साक्ष्यों के अभाव में अदालत ने बरी कर दिया।

मामले के अनुसार, पीड़िता मंजू का विवाह 10 फरवरी 2012 को मोदीनगर निवासी प्रवीण कुमार के साथ हुआ था। विवाह में सामर्थ्य से अधिक खर्च करते हुए करीब 22 लाख रुपये, कार और नकदी सहित अन्य सामान दिया था। आरोप था कि ससुराल पक्ष दहेज से संतुष्ट नहीं था। मंजू को अतिरिक्त दहेज के लिए परेशान करने लगे। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि पति और ससुराल पक्ष के लोग 10 लाख रुपये नकद और होंडा सिटी कार की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। आरोप था कि पति उसे कमरे में बंद कर बेरहमी से पीटता था। 2 दिसंबर 2013 को हुई मारपीट में मंजू के कान का पर्दा फट गया था। मारपीट करके घर से निकाल दिया गया था। पीड़िता ने मामले की शिकायत पहले मोदीनगर थाने में की थी। बाद में जांच के लिए मामला महिला थाना स्थानांतरित किया गया, जहां वर्ष 2016 में मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचना के बाद पुलिस ने पति प्रवीण कुमार समेत सास रोशनी, जेठ पंकज, जेठानी निशा, ननद डिंपल और ननदोई सुरेंद्र के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। सुनवाई के दौरान ननद और ननदोई को पहले ही आरोप मुक्त कर दिया गया था।

कुत्ते के काटने के 20 दिन बाद किशोर की बिगड़ी तबीयत

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 27 जुलाई**

कुत्ते के काटने के करीब 20 दिन बाद 15 वर्षीय दिलजीत की रास्ते में अचानक तबीयत बिगड़ गई और वह सड़क किनारे गिर पड़ा। राहगीर की सूचना पर पहुंची डायल-112 की टीम ने उसे बल्लभगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने उसे बीके नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया। बीके अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे रेबीज का इंजेक्शन लगाया और आवश्यक उपचार दिया। जानकारी के अनुसार दिलजीत मूल रूप से महाराष्ट्र का रहने वाला है और पिछले कुछ समय से गुरुद्वारों में रह रहा है। करीब 20 दिन पहले आगरा में उसे एक कुत्ते ने काट लिया था। इसके बाद उसने वहां रेबीज का इंजेक्शन लगवाने के साथ दवाइयां भी ली थीं। मंगलवार को वह पलवल से बल्लभगढ़ की तरफ आ रहा था। इसी दौरान अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई और वह सड़क किनारे गिर पड़ा। वहां से गुजर रहे एक वाहन चालक ने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे बल्लभगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले

जिले में कुत्ते के काटने के बाद स्वास्थ्य बिगड़ने और रेबीज की आशंका से जुड़े मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। 18 जुलाई को सराय ख्वाजा निवासी साहिल को परिजन बीके नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ दिन पहले कुत्ते के काटने के बाद उसने एंटी रेबीज वैक्सीन नहीं लगवाई थी। बाद में उसका व्यवहार असामान्य हो गया और वह लोगों पर झपटने व उन्हें काटने की कोशिश करने लगा। स्थिति बिगड़ने पर स्थानीय लोगों ने उसे काबू किया और हाथ-पैर बांधकर निजी एंबुलेंस से बीके अस्पताल पहुंचाया। रेबीज की आशंका को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे निगरानी में रखकर उपचार किया और उसके संपर्क में आए लोगों को भी वैक्सीन लगवाने की सलाह दी।

प्राथमिक उपचार के बाद उसे बीके नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया गया।

रोजाना करीब 100 लोग लगवा रहे एंटी रेबीज वैक्सीन

जिले में लावारिस कुत्तों की बढ़ती संख्या के बीच कुत्ते के काटने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बीके नागरिक अस्पताल में रोजाना करीब 100 लोग कुत्ते के काटने के बाद एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने पहुंच रहे हैं। अस्पताल आने वाले मरीजों में बच्चों और युवाओं की संख्या भी शामिल है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार कुत्ते के काटने के बाद समय पर वैक्सीन लगवाना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही घाव को तुरंत साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह साफ करने की सलाह दी जाती है। मामला संज्ञान में है। युवक को जरूरी उपचार दिया जा रहा है।

हालांकि उसे कुत्ते के काटने के बाद समय पर एंटी रेबीज वैक्सीन लगवानी चाहिए थी। किसी भी व्यक्ति को कुत्ता काटे तो घाव को तुरंत साबुन और पानी से अच्छी तरह धोना चाहिए और बिना देरी किए अस्पताल पहुंचकर डॉक्टर की सलाह के अनुसार वैक्सीन और अन्य उपचार लेना चाहिए।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

ज्योतिर्मयी नायक ने जीता 'इंडियन आइडल 16' का खिताब

गले की दिक्कत को मात देकर रचा इतिहास

ओडिशा की रहने वाली ज्योतिर्मयी नायक ने इंडियन आइडल सीजन 16 का खिताब अपने नाम किया। ज्योतिर्मयी ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि शो के दौरान गले में दिक्कत होने की वजह से उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वे इस मुकाम पर पहुंच पाएंगी।

ज्योतिर्मयी ने अपने उतार-चढ़ाव भरे सफर को याद करते हुए बताया, 'जिन्होंने मेरी यात्रा को देखा है, वे अच्छे से जानते हैं कि शो के दौरान मेरे गले में गंभीर समस्या हो गई थी, जिसके कारण मैं गा भी नहीं पाती थी। उस मुश्किल दौर से निकलकर फाइनल तक पहुंचना और फिर ट्रॉफी जीतना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। जब मेरे नाम की विजेता के रूप में घोषणा हुई, तो कुछ समय तक मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि मैं सचमुच जीत गई हूं।'

ज्योतिर्मयी ने बताया कि 'इंडियन आइडल' के सफर ने उन्हें एक गायिका के रूप में अपने अंदर के हुनर और कई नई खूबियों को पहचानने का मौका दिया।

उन्होंने कहा, 'पहले मैं ज्यादातर लता मंगेशकर जी और आशा भोसले जी के गाने गाती थी लेकिन इस प्रतियोगिता के दौरान मैंने अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर अलग-अलग तरह के गाने गाए और आवाज में बदलाव (वॉइस मॉड्यूलेशन) करना सीखा। फिनाले में मैंने बिल्कुल अलग अंदाज में गाना प्रस्तुत किया, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया और वह मेरी प्रस्तुति की सबसे खास बातों में से एक बन गया।' अभिनेत्री ने कहा, 'जब मैंने फिनाले में 'गजर ने की आयशारा' गाना गाया, तो श्रेया घोषाल मैम ने मेरी बहुत तारीफ की थी। उन्होंने कहा कि फिनाले जैसे बड़े मंच पर इतना कठिन अंदाज चुनना और अपनी आवाज को उस शैली के अनुसार ढालना (वॉयस मॉड्यूलेशन) आसान नहीं होता।

अनुष्का-विराट पहुंचे वृंदावन

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और उनकी पत्नी, अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने गुरु पूर्णिमा से पहले वृंदावन जाकर आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लिया। इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम की हार के बाद भारत लौटने पर विराट कोहली अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे। दोनों की वृंदावन यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वायरल तस्वीरों में विराट और अनुष्का को वृंदावन की गलियों में नंगे पैर श्रद्धापूर्वक प्रेमानंद महाराज के आश्रम की ओर जाते देखा जा रहा है। भारी बारिश के कारण वृंदावन की सड़कों पर पानी भरा होने और गड्ढों के बावजूद, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने इसकी परवाह नहीं की। वे पानी से भरे रास्तों को पार करते हुए प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धापूर्वक उनका आशीर्वाद लिया। बारिश के कारण फिसलन भरे रास्तों पर विराट कोहली पूरे समय पत्नी अनुष्का शर्मा का हाथ थामे नजर आए, ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो।

मुझको राणाजी माफ करना के नए वर्जन में दिखीं

माहिरा शर्मा

बोलीं- आइकॉनिक गाने को रीक्रिएट करना आसान नहीं होता

90 के दशक के कई गाने आज भी लोगों की जुबान पर हैं। इनमें से एक है फिल्म करण अर्जुन का मशहूर गीत मुझको राणाजी माफ करना, जिसने जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। अब इस सदाबहार गाने को नए अंदाज में राणाजी 2.0 के नाम से पेश किया गया है। नए वर्जन में अभिनेत्री माहिरा शर्मा नजर आ रही हैं। इस पर माहिरा का कहना है कि इतने लोकप्रिय गाने को रीक्रिएट करना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही बहुत बड़ी थीं। माहिरा शर्मा ने कहा, जब आप किसी आइकॉनिक गाने से जुड़ते हैं तो थोड़ा दबाव जरूर होता है, क्योंकि उन गानों से लोगों की पुरानी यादें जुड़ी होती हैं। मेरी कोशिश रही कि मैं अपनी अलग एनर्जी लेकर आऊं, लेकिन गाने की असली पहचान और एहसास को भी बरकरार रखूं। उन्होंने कहा, राणाजी 2.0 की म्यूजिक, कोरियोग्राफी और वीडियो का पूरा लुक मिलकर एक नया अनुभव देता है। मुझे उम्मीद है कि जिस तरह पूरी टीम ने इस गाने को बनाते समय आनंद लिया, उसी तरह दर्शक भी इसे देखकर खूब पसंद करेंगे। इस गाने की कोरियोग्राफी मशहूर डांस डायरेक्टर रेमो डिसूजा ने की है। उन्होंने कहा, समय के साथ डांस का अंदाज काफी बदल गया है और यही बात राणाजी 2.0' को खास बनाती है। हमारी कोशिश थी कि गाने के विजुअल्स नए और मनोरंजक हों, लेकिन उसकी पुरानी पहचान भी बनी रहे। हम चाहते थे कि जिन्होंने सालों से इस गाने को पसंद किया है और जो पहली बार इसे सुन रहे हैं, दोनों ही इसे देखने का आनंद लें। वहीं, संगीतकार तनिष्क बागची ने कहा, किसी क्लासिक गाने को नए रूप में तैयार करना आसान नहीं होता। जब किसी पुराने लोकप्रिय गाने पर काम करते हैं तो सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसकी एहसास को सुरक्षित रखना होता है। इस गाने की धुन और आवाज की अपनी अलग विरासत है।

हनी सिंह का छात्रों के समर्थन में मूनलाइट

रैपर और सिंगर हनी सिंह ने छात्रों और युवाओं की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अपने नए गाने मूनलाइट के टीजर की रिलीज फिलहाल स्थगित कर दी है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए यह घोषणा की। हनी सिंह ने हाल ही में अपने नए गाने मूनलाइट की रिलीज डेट 24 जुलाई 2026 घोषित की थी और यह जानकारी दी थी कि इस गाने का टीजर मंगलवार को रिलीज किया जाएगा। लेकिन मंगलवार को उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए ऐलान किया कि देश में युवाओं और छात्रों की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने फिलहाल टीजर की रिलीज कुछ समय के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। हालांकि हनी सिंह ने अपने पोस्ट में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का सीधे तौर पर कोई उल्लेख नहीं किया। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि देश के युवाओं का सम्मान करते हुए वह अपने नए गाने मूनलाइट के टीजर की रिलीज कुछ दिनों के लिए आगे बढ़ा रहे हैं। साथ ही उन्होंने भगवान शिव से प्रार्थना करते हुए लिखा कि भोलेनाथ सभी बच्चों को शक्ति दें और अंत में जय हिन्द लिखकर अपना संदेश समाप्त किया।

मैनचेस्टर सिटी में एलियट एंडरसन के खेल पर रहेंगी नजरें

» **लंदन, यूटर्न/ 27 जुलाई ।**

मैनचेस्टर सिटी के सबसे महंगे खिलाड़ी मिडफील्डर एलियट एंडरसन की अब लीग में कड़ी परीक्षा होगी। एलियट के प्रदर्शन पर सबकी नजरें रहेंगी। सिटी ने उसे रिकार्ड 116 मिलियन पाउंड में अपने साथ जोड़ा है। इससे 23 वर्षीय एंडरसन ब्रिटेन के सबसे महंगे फुटबॉलर हैं, जो उनकी प्रतिभा और बढ़ती मांग को दर्शाता है।यह घटनाक्रम इस बात की स्पष्ट पुष्टि करता है कि प्रीमियर लीग क्लब अपनी टीमों को मजबूत करने के लिए शीर्ष प्रतिभाओं पर कितनी बड़ी रकम खर्च करने को तैयार हैं, खासकर जब बात स्टार खिलाड़ियों की हो। यह भी बताया जा रहा है कि मैनचेस्टर सिटी ने शुरूआत में एंडरसन के लिए 80 मिलियन पाउंड का प्रस्ताव दिया था, जिसे नॉटिंघम फॉरेस्ट ने अपनी मांग पर अड़े रहते हुए अस्वीकार कर दिया था। फॉरेस्ट प्रबंधन एंडरसन की असाधारण प्रतिभा और पिछले सत्र के प्रदर्शन को देखते हुए एक बड़ी कीमत पर अडिग था, जिसका परिणाम यह रिकॉर्ड-तोड़ सौदा है। एंडरसन का पिछला प्रीमियर लीग सत्र उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ रहा, जहां उन्होंने नॉटिंघम फॉरेस्ट के लिए असाधारण प्रदर्शन करते हुए अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने लीग के सभी 38 मुकाबलों में हिस्सा लिया और केवल एक बार ही शुरूआती एकादश से बाहर रहे, जो उनकी निरंतरता, फिटनेस और मैच-विनिंग क्षमता का प्रमाण है। उनकी इस निरंतरता और प्रभावशीलता ने ही उन्हें प्रीमियर लीग के सबसे प्रतिष्ठित क्लबों में से एक की नजरों में ला खड़ा किया। मैनचेस्टर सिटी में उनका आगमन टीम की पहले से ही मजबूत मिडफील्ड को और गहराई देगा और उन्हें घरेलू तथा यूरोपीय दोनों प्रतियोगिताओं में अपनी श्रेष्ठता बनाए रखने में मदद करेगा।एलियट एंडरसन का यह ट्रांसफर न केवल उनके व्यक्तिगत करियर में एक बड़ा मोड़ है, बल्कि यह प्रीमियर लीग में बढ़ती वित्तीय शक्ति और शीर्ष खिलाड़ियों की बढ़ती मांग को भी उजागर करता है।

फोटो स्टोरी

पेरिस में टूर डी फ्रांस साइकिल रेस में टीम अमीरेटस के टडेज पोडाकर पीली जर्सी में आगे निकलते हुए।

यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

पाकिस्तान के अधिकारियों के साथ बातचीत फेल होने के बाद जेएएसी का मार्च शुरू

» इस्लामाबाद, यूटर्न/ 27 जुलाई ।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) रावलकोट से मुजफ्फराबाद तक लॉन्ग मार्च निकाल रही है। इस बीच यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने सोमवार को पाकिस्तानी अधिकारियों से संयम बरतने और पीओके में जेएएसी द्वारा आयोजित लंबे मार्च में भाग लेने वाले शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग न करने की अपील की।

यूकेपीएनपी ने रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए दावा किया कि कब्जे वाले इलाके में चल रही अशांति के बीच 5 जून से अब तक 40 से ज्यादा लोगों की जान चली गई है।

यह मार्च तब हुआ जब जेएएसी और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच बातचीत का कोई ऐसा नतीजा नहीं निकला जिसे दोनों ही मान लें, जिससे लोगों को इकट्ठा होने की फिर से अपील की गई।

इससे पहले जेएएसी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा था कि लॉन्ग मार्च 26 जुलाई को मीरपुर डिवीजन से शुरू होगा और 27 जुलाई को मुजफ्फराबाद की ओर मार्च करने से पहले कारवां रावलकोट सिट-इन पर इकट्ठा होंगे।

घोषणा के बाद, यूकेपीएनपी ने कहा कि रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि प्लान किए गए मार्च से पहले रेंजर्स, फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी (एफसी) और पंजाब कॉन्स्टेबुलरी (पीसी) समेत और पाकिस्तानी सुरक्षा बल की तैनाती की गई है।

उन्होंने दोहराया कि शांतिपूर्ण विरोध, शांति से इकट्ठा होने और संगठन बनाने की आजादी और बोलने की आजादी, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत पहचाने गए बुनियादी मानवाधिकार हैं। यूकेपीएनपी ने जोर दिया कि इन अधिकारों का हर समय सम्मान और सुरक्षा होनी चाहिए। समूह ने एक्स पर पोस्ट किया, 'हम अधिकारियों से अपील करते हैं कि वे ज्यादा से ज्यादा संयम बरतें और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल का इस्तेमाल न करें। इंसानी जिंदगी की रक्षा करना और बुनियादी आजादी की रक्षा करना हर देश की पहली जिम्मेदारी है।'

युगांडा में सूखे से खाद्य संकट गहराया, भूख से 19 लोगों की मौत के बाद सरकार ने राहत अभियान शुरू किया

» कंपाला, यूटर्न/ 27 जुलाई ।

युगांडा में भूख से मौत की खबरें फिर दुनिया को चिंता में डाल रही हैं। देश के पूर्वी हिस्से में लंबे समय से जारी सूखे के कारण भूख से 19 लोगों की मौत हो गई, जिसके बाद सरकार ने आपातकालीन खाद्य राहत वितरण शुरू किया। देश के करामोजा क्षेत्र में खाद्य संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम की अपेक्षित बारिश नहीं होने से फसलें बर्बाद हो गई हैं, जिससे इस क्षेत्र में रहने वाली करीब 15 लाख आबादी गंभीर खाद्य कमी और बढ़ते कुपोषण का सामना कर रही है।

खाद्य सुरक्षा पर नजर रखने वाले वैश्विक नेटवर्क 'फेमिन अर्ली वार्निंग सिस्टम्स नेटवर्क' की रिपोर्ट के अनुसार, करामोजा में स्थिति बिगड़कर संकट के स्तर तक पहुंच गई है। विदेशी सहायता में कटौती के बाद पैदा हुए वित्तीय संकट के बीच युगांडा सरकार ने पहली बार बड़े स्तर पर राहत अभियान शुरू किया है। हाल ही में सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। सरकार ने कहा कि लोडिको उप-काउंटी स्थित एक प्राथमिक

अगले दो महीनों में 9,400 टन राहत खाद्य सामग्री बांटने की योजना बनाई है। इसके लिए संसद द्वारा मंजूर किए गए 45 अरब शिलिंग (करीब 33 अरब 29 करोड़ 84 लाख रुपए) के आपातकालीन फंड से सामग्री खरीदी गई है।

आपदा प्रबंधन और शरणार्थी मामलों के मंत्री सैम एंगोला ने बुधवार को काबोंग जिले के विद्यालय से राहत वितरण अभियान की शुरूआत की। एंगोला ने कहा, 'राष्ट्रपति करामोजा में किसी भी व्यक्ति की भूख से मौत की खबर नहीं सुनना चाहते। मैं यहां इस खाद्य वितरण की निगरानी के लिए आया हूं, और यह सुनिश्चित करूंगा कि हर व्यक्ति को भोजन मिले। कोई भी पीछे नहीं छूटेगा।'

ईरान के जहाज पर यूक्रेन के हमले का जवाब देना जरूरी : अब्बास अराघची

तेहरान, यूटर्न/ 27 जुलाई । ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि कैस्पियन सागर में ईरान के कमर्शियल जहाज पर यूक्रेन के हमले को बिना जवाब दिए ऐसे नहीं छोड़ा जा सकता।

ईरानी विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की पर आरोप लगाया कि उन्होंने इजरायल के कहने पर यूएन चार्टर का खुला उल्लंघन करके यूरोप को अपनी लड़ाई में घसीटने का आदेश दिया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि उन्होंने शनिवार और रविवार को यूरोपीय संघ की विदेश नीति की प्रमुख काजा कैलास और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ फोन पर हुई बातचीत में स्पष्ट कर दिया था कि कीव में मुफ्तखोर ने जो किया, उसे बिना जवाब दिए नहीं जाने नहीं दिया जा सकता।

अराघची ने रूसी विदेश मंत्री लावरोव से फोन पर की बात, ईरानी जहाज पर यूक्रेनी हमले को लेकर हुई चर्चा

» तेहरान, यूटर्न/ 27 जुलाई ।

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और उनके रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव ने रविवार को एक फोन कॉल के दौरान कैस्पियन सागर में एक ईरानी कमर्शियल जहाज पर यूक्रेन के हमले की निंदा की।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अराघची ने यूक्रेन के इस कदम की निंदा करते हुए इसे खतरनाक और यूनाइटेड नेशंस चार्टर के बुनियादी सिद्धांतों का साफ उल्लंघन बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईरान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की पूरी तरह से रक्षा करेगा। बयान में आगे कहा गया कि लावरोव ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वाला एक्शन और रूस और ईरान के बीच ट्रेड रूट के लिए खतरा बताया। बयान के मुताबिक, दोनों मंत्रियों ने तेहरान द्वारा अमेरिका के 'वादों को तोड़ने और होर्मुज स्ट्रेट पर असुरक्षा थोपने' के बाद हुए क्षेत्रीय डेवलपमेंट पर भी चर्चा की। इसके अलावा, विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि कैस्पियन सागर में ईरान के कमर्शियल जहाज पर यूक्रेन के हमले को बिना जवाब दिए ऐसे नहीं छोड़ा जा सकता। ईरानी विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की पर आरोप लगाया कि उन्होंने इजरायल के कहने पर यूएन चार्टर का

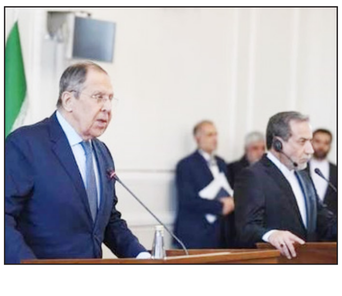

खुला उल्लंघन करके यूरोप को अपनी लड़ाई में घसीटने का आदेश दिया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि उन्होंने शनिवार और रविवार को यूरोपीय संघ की विदेश नीति की प्रमुख काजा कैलास और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ फोन पर हुई बातचीत में स्पष्ट कर दिया था कि कीव में मुफ्तखोर ने जो किया, उसे बिना जवाब दिए नहीं जाने नहीं दिया जा सकता। ईरानी विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, अराघची ने शनिवार को ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास के साथ एक फोन कॉल में यह बात कही। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। बयान के अनुसार, अराघची ने यूक्रेनी हमले की निंदा की और ईयू, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इसके गुनाहगारों और समर्थकों को जिम्मेदार ठहराने की अपील की।

सिएटल शूटिंग में अब तक दो लोगों की मौत की हुई पुष्टि, पांच घायलों का इलाज जारी

» सिएटल, यूटर्न/ 27 जुलाई ।

अमेरिका के सिएटल में फूड फेस्टिवल के दौरान हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने बताया कि रविवार शाम सिएटल सेंटर में बाइट ऑफ सिएटल फूड फेस्टिवल के दौरान हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए।

सिएटल फायर डिपार्टमेंट ने कहा कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, चार और लोगों, एक दो साल का लड़का, एक 23 साल के युवा और दो महिलाओं को हार्बरव्यू मेडिकल सेंटर ले जाया गया।

मामूली चोटों वाली 40 साल की एक महिला का मौके पर ही इलाज किया गया और उसे अस्पताल ले जाने से मना कर दिया गया।

हार्बरव्यू मेडिकल सेंटर ने कहा कि एक महिला की हालत गंभीर है और उसकी सर्जरी हो रही है, जबकि अस्पताल में भर्ती दूसरे मरीजों की हालत ठीक है। गोलीबारी के तुरंत बाद पुलिस और इमरजेंसी क्रू ने मौके पर पहुंचकर इलाके को खाली करा दिया। अधिकारियों ने लोगों से कहा कि जांच जारी रहने तक वे सिएटल सेंटर न जाएं। सिएटल सेंटर मनोरंजन और संस्कृति का केंद्र है, जहां क्लाइमेट प्लेज एरिना और मशहूर स्पेस नीडल जैसे कई आकर्षण हैं।

डब्ल्यूबीएएल-टीवी के अनुसार, उस समय वेन्यू पर बाइट ऑफ सिएटल हो रहा था, जो शहर के सबसे लंबे समय से चल रहे और सबसे पसंदीदा फूड फेस्टिवल में से एक है।

अमेरिकी मीडिया सीएनएन की एक रिपोर्ट में कोमो नाम की एक एफिलिएट कंपनी का जिक्र है। इस रिपोर्ट के अनुसार, फूड फेस्टिवल में मौजूद कुछ गवाहों ने बताया कि उन्होंने वेन्यू के अंदर 7-8 गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने बताया कि गोलियों की आवाज सुनकर लोग घबरा गए और इधर-उधर भागने लगे।

पुलिस ने गिरफ्तारी या किसी संभावित वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। जांच चल रही है और आगे की जानकारी का इंतजार है। यह घटना 19 जुलाई को अमेरिका के एरिजोना राज्य के टक्सन में रात भर हुई मास शूटिंग में संदिग्ध समेत दस लोगों के घायल होने की एक और घटना के ठीक बाद हुई है।

सेंटकॉम प्रमुख ने होर्मुज जलडमरूमध्य में हमले रोकने का दिया प्रस्ताव

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 27 जुलाई । अमेरिकी केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) के प्रमुख एडमिरल ब्रैड कूपर ने होर्मुज जलडमरूमध्य में बमबारी रोकने का प्रस्ताव दिया है क्योंकि यह अब अपनी प्रभावशीलता की सीमा तक पहुंच चुकी है। यह जानकारी 'एक्सियोस' ने सूत्रों के हवाले से दी। रिपोर्ट के अनुसार, श्री कूपर और अन्य सलाहकारों की सलाह ने शुक्रवार को ईरान पर बमबारी रोकने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया। यह इस बात पर बल देता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के सैन्य और असैन्य सलाहकारों ने यह मान लिया है कि हवाई शक्ति के इस्तेमाल समेत सैन्य कार्रवाई के जरिए लक्ष्य हासिल करने की क्षमता की भी अपनी सीमाएं होती हैं।

उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमताओं का होगा लगातार होगा उन्नयन : किम यो जोंग

मास्को, यूटर्न/ 27 जुलाई । उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमताओं का लगातार उन्नयन किया जाएगा और वे सुरक्षा की सबसे अच्छी गारंटी बने रहेंगे। यह बात कोरियन वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति का सामान्य विभाग की निदेशक और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कही। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम यो जोंग ने कहा, 'हमारा रुख एक जैसा और स्पष्ट है कि परमाणु प्रतिरोध देश की संप्रभुता के लिए एक भरोसेमंद ढाल और सुरक्षा की सबसे अच्छी गारंटी है। उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमता को बिना किसी रुकावट के लगातार बेहतर बनाया जाएगा।' उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विरोधी ताकतों के कारण उत्पन्न हुए संकट के बीच यह बचाव जरूरी है।

अवामी लीग का आरोप, 'पार्टी के छात्र संघ सदस्यों को किया जा रहा प्रताड़ित'

ढाका, यूटर्न/ 27 जुलाई । बांग्लादेश की अवामी लीग ने वर्तमान प्रशासन पर अपने छात्र संगठन के सदस्यों को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक छात्र संगठन से जुड़े हजारों छात्रों का शैक्षणिक भविष्य भीड़ की धमकी, मनमाने निष्कासन, गिरफ्तारियों और पूर्व मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के समर्थकों, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी), जमात-ए-इस्लामी तथा बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) द्वारा पैदा किए गए भय के माहौल के कारण व्यवस्थित रूप से बर्बाद कर दिया गया है। ार्टी ने कहा कि वर्ष 2024 में बांग्लादेश के तथाकथित 'छात्र आंदोलन' के बाद, जिसे 'रोमांटिक रूप' देकर पेश किया गया, देशभर के विश्वविद्यालय परिसरों में एक भयावह वास्तविकता सामने आई है। अवामी लीग के अनुसार, 'शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को गिराए जाने के बाद उसके छात्र संगठन बांग्लादेश छात्र लीग (बीएसएल) से जुड़े छात्रों, नेताओं, कार्यकर्ताओं और यहां तक कि उसके समर्थकों को भी नई व्यवस्था का दुश्मन करार दिया गया।' हालांकि अक्टूबर 2024 में आतंकवाद-रोधी कानूनों के तहत इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन पार्टी का आरोप है कि इसके बाद प्रतिशोध की ऐसी लहर चली, जिसने विश्वविद्यालय परिसरों को बीएसएल से किसी भी तरह जुड़े लोगों के लिए 'नो-गो जोन' बना दिया।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *